हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 334 | बेमेतरा, सोमवार 21 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

26 व 27 जुलाई को सीईटी परीक्षा के लिए सरकार की पूरी तैयारी

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं की मांग को देखते हुए सरकार द्वारा प्रदेश में दूसरी सीईटी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। सरकार ने सीईटी की परीक्षा को लेकर सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है। प्रदेशभर से सीईटी ग्रुप-सी के लिए 13 लाख 87 हजार युवाओं ने आवेदन किया। इन आवेदकों की 26 व 27 जुलाई को परीक्षा ली जा रही है। युवाओं को परीक्षा केंद्र तक लेकर जाने और वापस छोड़ने के लिए 9200 बसों की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि बस सुविधा के लिए युवाओं से रजिस्ट्रेशन करवाए जा रहे हैं। सरकार ने हरियाणा रोडवेज की बसों के अलावा प्राइवेट स्कूलों की बसों को भी सीईटी परीक्षा के लिए तैयार किया है। इसके लिए प्राइवेट स्कूलों से आग्रह किया था, ताकि युवाओं और बेटियों को सुविधा मुहैया करवाई जा सके। परीक्षा के समय युवतियों के साथ परिवार का एक सदस्य भी पेपर के समय फ्री में यात्रा कर सकता है।

सीबीआई ने बीएसएफ कार्यालय में तैनात अधिकारी को घूस लेते किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएएओ) में कार्यरत लेखा परीक्षा अधिकारी (एएओ) को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने आरोपी को 40,000 रुपए की रिश्वत लेते समय पकड़ा। सीबीआई ने शुक्रवार को इस संबंध में मामला दर्ज किया था। आरोप है कि आरोपी एएओ ने शिकायतकर्ता के वेतन और एरियर बिल को पास करने के बदले कुल लंबित बिल राशि का 15 से 20 प्रतिशत यानी लगभग 2 लाख रुपए रिश्वत की मांग की थी। बातचीत के बाद आरोपी एएओ और कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने 2 लाख रुपए की रिश्वत लेने पर सहमति जताई। इसके बाद सीबीआई ने शुक्रवार को जाल बिछाया और आरोपी एएओ को शिकायतकर्ता से 40,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है। बता दें कि घूसखोड़ी के मामले में सीबीआई ने पहले भी कई कार्रवाई की हैं।

कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता एक दूसरे के भ्रष्टाचार को बचाने के लिए खड़े हो गए-बीजेपी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भूमिखरीद घोटाले में रॉबर्ट वाड्रा का बचाव करने के लिए राहुल गांधी कीतीखी आलोचना की। डॉ त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता एक दूसरे के भ्रष्टाचार को बचाने के लिए खड़े हो गए हैं। कांग्रेस द्वाराभाजपा सरकार की विदेश नीति पर प्रश्न खड़े किए। जाने पर डॉ त्रिवेदी नेकहा कि अमेरिका ने टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया है।

ऑपरेशन सिंदूर से डोनाल्ड ट्रंप तक

मानसून सत्र में हर संवेदनशील मुद्दे पर बहस को तैयार सरकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

मानसून सत्र से पूर्व सर्वदलीय बैठक में सरकार ने विपक्ष की सभी प्रमुख मांगों को स्वीकार करते हुए संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा की सहमति दी है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ऑपरेशन सिंदूर, सीमा संघर्ष और ट्रंप के मध्यस्थता दावे जैसे विषयों पर बहस के लिए तैयारी दर्शाई। आगामी सत्र हंगामेदार होने की संभावना है, पर सरकार सार्थक संवाद के लिए तत्पर है। संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार ने विपक्ष की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है। विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पर चल रहे संघर्ष जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा की मांग की थी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकार इन सभी विषयों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सत्र से पहले बुलाई गई इस बैठक में सदन के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच बेहतर समन्वय का भी आह्वान किया। रिजिजू ने कहा, 'हम संसद में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। संसद को सुचारु रूप से चलाने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस हालिया दावे को लेकर सदन में विवाद खडा करने की तैयारी में है, जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कर शत्रुता समाप्त करने की बात कही थी। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने स्पष्ट

किया कि सरकार सदन में इस विषय पर उचित जवाब देगी। मानसून सत्र में विपक्ष की रणनीति: एसआईआर, पहलगाम हमला और ट्रंप के दावे पर घेराबंदी की तैयारी संसद का आगामी मानसून सत्र हंगामेदार होने की प्रबल संभावना है, क्योंकि विपक्ष ने केंद्र सरकार को कई विवादास्पद मुद्दों पर घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह एक सार्थक और बहस-आधारित सत्र के लिए पूरी तरह तैयार है। मानसून सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में, विपक्षी नेताओं ने उन प्रमुख मुद्दों को रेखांकित किया जिन्हें वे संसद में उठाना चाहते हैं। इनमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताएं, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हालिया आतंकवादी हमला, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का विवादास्पद दावा शामिल है। विपक्ष की रणनीति इन मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही मांगने और जनता का ध्यान आकर्षित करने पर केंद्रित होगी, जिससे सत्र के दौरान तीखी बहस और गतिरोध देखने को मिल सकता है। सरकार ने अपनी ओर से इन चुनौतियों का सामना करने और सभी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए तत्परता दिखाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि छोटे राजनीतिक दलों, खासकर जिनके 1-2 सांसद हैं।

मानसून सत्र में सरकार को घेरने के लिए विपक्ष एकजुट,सर्वदलीय बैठक में उठे ये प्रमुख मुद्दे

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। मानसून सत्र में केंद्र सरकार को घेरने के लिए विपक्ष एकजुट हो गया है। रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने तमाम मुद्दे उठाए। इस दौरान विपक्ष ने पहलगाम हमला, भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर ट्रंप के दावे पर सरकार के जवाब, बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण पर बात की। संसद का यह मानसून सत्र 21 अगस्त तक चलेगा। इसमें कुल 21 बैठकें होंगी। सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि इस सत्र में हम पहलगाम हमला, बांग्लादेश सीमाओं पर संघर्ष, बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण, ट्रंप के दावों समेत कई मुद्दे उठाएंगे।

मालदीव के आजादी महोत्सव में भी होंगे शामिल

23-24 जुलाई को ब्रिटेन के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23-24 जुलाई को ब्रिटेन के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिटेन की चौथी आधिकारिक यात्रा होगी। यह प्रधानमंत्री मोदी की चौथी ब्रिटेन यात्रा होगी। ब्रिटेन के बाद पीएम मोदी मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे, जो 25-26 जुलाई, 2025 तक होगी। प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मोइज़ु के आमंत्रण पर मालदीव जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की यह मालदीव की तीसरी यात्रा होगी। पीएम मोदी की यह मालदीव यात्रा, मालदीव में राष्ट्रपति मोइज़ु के सत्ता संभालने के बाद पहली बार किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का दौरा होगा। ब्रिटेन दौरे पर पीएम मोदी विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से चर्चा करेंगे। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों नेताओं के बीच बात होगी। प्रधानमंत्री मोदी, ब्रिटेन दौरे पर किंग चार्ल्स से भी मुलाकात कर सकते हैं।

मुंबई में जेजे अस्पताल के शिशु रोग विभाग की एक जूनियर महिला डॉक्टर द्वारा आत्महत्या के प्रयास के बाद हड़ताल पर गए रेजिडेंट डॉक्टर।

राज संग गठबंधन पर उद्धव बेबाक सवाल

हमारे साथ आने से किसे दिक्कत है... ?

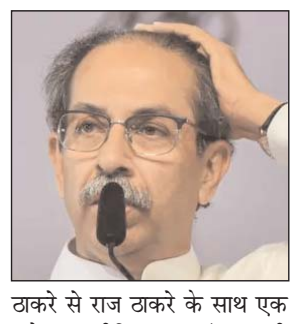

नई दिल्ली। दो दशकों तक एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे ठाकरे भाई, उद्धव और राज, एक बार फिर साथ आ गए हैं। उनके इस मिलन ने महाराष्ट्र की राजनीति में जबरदस्त हलचल मचा दी है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने हाल ही में शिवसेना के मुखपत्र सामना को दिए एक खास इंटरव्यू में महाराष्ट्र के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर खुलकर बात की। इस इंटरव्यू की सबसे ज्यादा सुर्खियां उनके चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के साथ दोबारा जुडने पर उनकी टिप्पणियों ने बटोरीं। जब उद्धव ठाकरे से राज ठाकरे के साथ एक बडे राजनीतिक गठबंधन की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया, 'हमारे साथ आने से किसे दिक्कत है? उन्हें अपनी समस्याओं का समाधान खुद करना चाहिए। हम इसके बारे में क्यों सोचें?

सांसद थरूर के बीच चल रहा मनमुटाव

पार्टी नहीं,देश पहले.....शशि थरूर के बागी तेवर से कांग्रेस में भूचाल

नई दिल्ली/ एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कांग्रेस और सांसद शशि थरूर के बीच चल रहा मनमुटाव अब खुलकर सामने आ गया है। थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को अपना अडिग रवैया दिखाया है। हाल ही में एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने साफ कह दिया कि चाहे जितनी आलोचना हो, वह अपने रुख पर कायम रहेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि यह देश के लिए सही है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर कोच्चि में एक कार्यक्रम में थे, तभी एक हाई स्कूल के छात्र ने उनसे पार्टी के साथ उनके असहज

संबंधों के बारे में सवाल पूछ लिया। थरूर ने अपनी टिप्पणी का वीडियो शेयर करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'हालांकि मैं ऐसी राजनीतिक चर्चाओं से दूर रहता हूं, लेकिन मुझे लगा कि एक छात्र को जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने अपनी बात समझाते हुए कहा, 'दुर्भाग्य से, या जैसे भी कह लें, किसी भी लोकतंत्र में राजनीति हमेशा प्रतिस्पर्धा पर आधारित होती है। जब मेरे जैसे लोग कहते हैं कि हम अपनी पार्टियों का सम्मान करते हैं, हमारे कुछ ऐसे मूल्य और विश्वास हैं जो हमें अपनी पार्टियों में बनाए रखते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में हमें दूसरी पार्टियों के साथ भी सहयोग करने की जरूरत है। जैसा कि आपने पूछा - तो कभी-कभी पार्टियों को लगता है कि यह उनके प्रति बेवफाई है। और यह एक बडी समस्या बन जाती है।' उन्होंने यह बात अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा उन पर निशाना साधने का जिक्र करते हुए कही। थरूर ने आगे कहा, 'आपकी पहली वफादारी किसके प्रति है?

तेजस्वी यादव का केंद्र सरकार पर तंज, गाने के जरिए साधा निशाना

पटना। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अभी दो से तीन महीने की देरी है, लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं। दोनों के बीच बयानबाजियों का दौर जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी एक दिवसीय बिहार यात्रा के क्रम में मोतिहारी पहुंचे और 7200 करोड़ रुपये से ज्यादा की योजनाओं की सौगात प्रदेश को दी। इस पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने तंज कसा है। तेजस्वी ने शनिवार को एक गाना लॉन्च किया है, जिसमें भाजपा के कई वादों को उठाया गया है। इस गाने को उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर गाने का वीडियो शेयर करते हुए उसके कैप्शन में लिखा है।

किस देश के लड़ाकू विमान गिरे हैं

डोनाल्ड ने नहीं बताया फिर भी राहुल गांधी ने सवाल उठाया....

नई दिल्ली/ एजेंसी

ट्रंप के बयान के बाद देश में राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस और राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राफेल के गिरने को लेकर सरकार से सवाल पूछते आए हैं। अब ट्रंप के दावे के बाद कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछा है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि मोदी जी, 5 जहाज़ों का सच क्या है? देश को जानने का हक है! लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ट्रंप के बयान का वीडियो साझा किया। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7

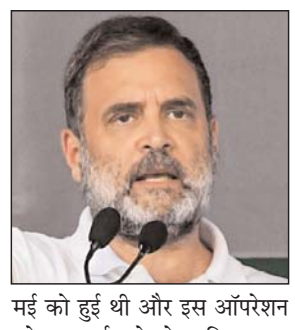

मई को हुई थी और इस ऑपरेशन को 10 मई को रोक दिया गया था। इस ऑपरेशन के दौरान भारत की वायु सेना ने जो क्षमता दिखाया था उसकी स्टडी दुनियाभर के देश कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सीजफायर हुआ था। जिसको लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गाहे बगाहे क्रेडिट लेने के लिए चले आते हैं। हालांकि भारत की तरफ से लगातार इसका खंडन भी किया जाता रहा है। लेकिन ट्रंप कहा मानने वाले हैं। उन्होंने एक बार फिर से सीजफायर की बात दोहराई। इसके साथ ही एक और बड़ा दावा करते हुए कह दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान पांच लड़ाकू विमान गिराए गए। हालांकि, ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि किस देश के लड़ाकू विमान गिरे हैं। ट्रंप के बयान के बाद देश में राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस और राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राफेल के गिरने को लेकर सरकार से सवाल पूछते आए हैं।

चैतन्य की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने बड़ी बैठक लेकर बनाई रणनीति

छत्तीसगढ़ में 22 जुलाई को होगी आर्थिक नाकेबंदी-दीपक बैज

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी की ओर से गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद कांग्रेस ने आगे की रणनीति बनाई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ कांग्रेस 22 जुलाई को पूरे राज्य में आर्थिक नाकेबंदी करेगी। इस संबंध में पार्टी की बड़ी बैठक कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में हुई। इसमें राज्य सरकार, उद्योगपति और केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ 22 जुलाई को पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी करते हुए चक्काजाम करने का निर्णय लिया गया है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहा कि पेड़ कटाई को लेकर नेता प्रतिपक्ष की ओर से विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव लाया गया था। इससे ध्यान भटकाने के लिए सुबह छह बजे रेड ईडी की रेड पड़ी। पिछली बार भी रेड मारी गई थी, लेकिन इस बार मैं विधानसभा पहुंचने में सफल रहा। आरोप लगाते हुए कहा कि ये बीजेपी के सोची-समझी रणनीति है। चाहे देवेंद्र यादव हों, सतनामी समाज के नेता हों, उन्हें एक केस में फंसाया गया। आदिवासी की आवाज दबाने के लिये कवासी लखमा को जेल में डाला गया। मेरा बेटा जो राजनीति में भी नहीं है, उसे भी टारगेट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में मुझे जानकारी मिली कि मेरे बेटे को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। दस मार्च के बाद 18 जुलाई को सीधे गिरफ्तारी हो गई। इस बीच कोई नोटिस नहीं मिला। कोई पूछताछ नहीं हुई। सीधे गिरफ्तार कर लिया गया। यह संवैधानिक

अधिकारों का उल्लंघन है। यह भाजपा का कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने और उन्हें दबाने की एक सुनियोजित रणनीति है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरा बेटा राजनीति में नहीं है और अपने व्यवसाय और खेती-बाड़ी तक ही सीमित है। बीजेपी का उद्देश्य कांग्रेस नेतृत्व को खत्म करना और उन्हें दबाना है। दूसरी ओर हमारे सभी प्राकृतिक संसाधनों को अडानी को देने की साजिश कर रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ को अडानी के हवाले करना चाहते हैं। यह लड़ाई उनके या देवेंद्र यादव और कवासी लखमा जैसे नेताओं के लिए नहीं, बल्कि राज्य के लिए है। एक सवाल के जवाब में कहा कि क्या वो जाँच एजेंसियों का अगला निशाना हो सकते हैं। बघेल ने कहा- हाँ। उन्हें लगा कि मैं कई बार जेल जा चुका हूँ, इसलिए उन्होंने मेरे बेटे को निशाना बनाया, लेकिन मेरा बेटा मुझसे ज्यादा ताकतवर है। हम महात्मा गांधी, नेहरू और सरदार पटेल के वंशज हैं, जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ते हुए 10 साल जेल में बिताए। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश और संविधान को बचाने के लिए हर ज़रूरी कुर्बानी दी जायेगी। ईडी की इस अवैधानिक कार्रवाई का सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध किया है। पेड़ कटाई का विरोध कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व ने किया। कांग्रेस के नेताओं पर चुन-चुन कर कार्रवाई कर रहे हैं। दूसरी तरफ बीजेपी अदानी को छत्तीसगढ़ सौंप देना चाहती है। कल विधानसभा में नारा लगा 'एक पेड़ माँ के नाम, बाक़ी सब बाप के नाम'।

सड़क पर उतरेंगे कांग्रेसी करेंगे चक्काजाम-बैज

उन्होंने कहा कि आर्थिक नाकेबंदी विपक्षी नेताओं के खिलाफकेंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के विरोध में है। दावा करते हुए कहा कि जब से प्रदेश में बीजेपी सरकार बनी है तब से कांग्रेस नेताओं को धमकाया जा रहा है और झूठे मामलों में जेल में डाला जा रहा है। विष्णुदेव साय सरकार को केंद्र की सरकार रिमोट से से चला रही है। वह दो साल में सभी मोर्चों पर विफल रही है। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं। पूरी पार्टी भूपेश बघेल के साथ खड़ी है। आर्थिक नाकेबंदी के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे और राष्ट्रीय राजमार्गों को जाम करेंगे। इस अवसर पर विपक्ष के नेता चरणदास महंत, कांग्रेस विधायक और पार्टी नेता मौजूद थे। दूसरी ओर सीएम विष्णुदेव साय ने कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन पर कहा कि अब वे क्या करते हैं, यह तो वही जानें।

प्रभारी सचिव डॉ. प्रियंका शुक्ला ने ली योजनाओं की समीक्षा बैठक, विकास कार्यों में गति और प्रभावशीलता बढ़ाने पर दिया जोर

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले में शासन की प्रमुख योजनाओं की प्रगति और क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु बीते रविवार को संयुक्त जिला कार्यालय के तृतीय तल स्थित सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिले की प्रभारी सचिव डॉ. प्रियंका शुक्ला ने की। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रमुख योजनाओं, उनके लक्ष्यों, प्राप्तियों और जमीनी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक की शुरुआत में डॉ. शुक्ला ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लक्ष्यों, स्वीकृत आवासों, निर्माण प्रगति और पूर्णता की स्थिति का अवलोकन किया। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली और कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वॉयल हेल्थ कार्ड, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा मुख्यमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड योजना जैसी फ्लैगशिप योजनाओं की भी बारीकी से समीक्षा की। डॉ. शुक्ला ने ÷नियद नेल्ल्नार÷ योजना के अंतर्गत मार्च 2024 तक स्थापित 22 नये कैंपो और इनसे जुड़े 86 लक्षित ग्रामों की स्थिति की जानकारी ली और निर्देशित किया कि इन क्षेत्रों में योजनाओं का सतत और समग्र क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जैविक खेती मिशन को लेकर भी विभागीय अधिकारियों से चर्चा की और किसानों को जागरूक करने की आवश्यकता जताई। प्रभारी सचिव ने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, अटल पेंशन योजना और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड पंजीयन की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि आयुष्मान योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का 'वय वंदना' योजना में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए और इसके लिए फील्ड स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक महिलाओं के बैंक खाते खोलने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों को प्राप्त हो सके। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत सोलर ड्यूल पंप स्थापना कार्य, सौर सुजला योजना फेस-09 के तहत सिंचाई पंपों की स्थापना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम सूर्यघर योजना, धरती आबा योजना, स्वामित्व योजना और मोबाइल टावरों की स्थापना जैसे कार्यों की भी समीक्षा की गई। डॉ. शुक्ला ने विशेष रूप से ग्रामीण परिवहन सेवाओं को लेकर तैयार किए जा रहे प्रस्तावों की जानकारी ली और कहा कि दूरस्थ गांवों तक बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मलेरिया नियंत्रण के लिए फील्ड में जाकर जागरूकता और चिकित्सा कार्यों को और अधिक सघन करने के निर्देश दिए। डॉ. शुक्ला ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पूरी मेहनत, पारदर्शिता और आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने दोहराया कि शासन की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, और इसके लिए जमीन पर ठोस कार्यवाही जरूरी है। बैठक के समापन पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा कि प्रभारी सचिव द्वारा दिए गए समस्त निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा और सभी विभाग अपने-अपने कार्यों में पूर्ण गंभीरता से जुटेंगे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज बिलासपुर में आयोजित रजक युवा गाडके सम्मेलन में हुए शामिल

रजक समाज का सेवा, स्वच्छता और सामाजिक समरसता में महत्वपूर्ण योगदान : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

बिलासपुर/मूक पत्रिका

उप मुख्यमंत्री अरुण साव बीते रविवार बिलासपुर के सिम्स ऑडिटोरियम में आयोजित रजक युवा गाडके सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन में युवाओं को संबोधित करते हुए साव ने कहा कि, साय सरकार समाज के युवाओं को शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने समाज के युवाओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर विकास की इस प्रक्रिया में भागीदार बनें। साव ने कहा कि, छत्तीसगढ़ रजक समाज एक परिश्रमी, अनुशासित और संस्कृति से जुड़ा हुआ समाज है। समाज ने वर्षों से सेवा, स्वच्छता और सामाजिक समरसता में अपना अहम योगदान दिया है। आप सभी की मेहनत और निष्ठा से समाज स्वावलंबी बना है, वहीं अपने अधिकारों और सम्मान के लिए भी निरंतर आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री साव ने समाज के युवाओं को संत गाडके के बताए सद्मार्ग पर चलने और परंपरागत व्यवसाय आगे बढ़ाने के लिए अभिप्रेरित किया। संत गाडगे बाबा ने कहा था कि, सेवा ही सच्चा धर्म है। स्वच्छता, शिक्षा और समरसता ही समाज को आगे ले जाती है। रजक समाज ने संत गाडगे बाबा के विचार को अपने जीवन में उतारकर समाज को नई दिशा देने का कार्य किया है। सम्मेलन में रजककार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक सिंह, भाजपा नेता राजेश सिंह, पार्षद गणेश रजक, अमृत लाल, बजरंग, चंद्रशेखर, समाज के पदाधिकारी एवं समाज के युवा साथी गण उपस्थित रहे।

सुरभि कालोनीवासियों द्वारा निकली गई श्रावण मास कांवड यात्रा, बोल बम के नारों से गुंजा पूरा शहर

राम लिंगेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक एवं पूजा, आरती तथा महा भंडारा का हुआ आयोजन

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिले के हृदय स्थल सुरभि कालोनीवासियों द्वारा बीते रविवार को राम लिंगेश्वर महादेव मंदिर से भव्य कावड़ यात्रा निकल गई जो राम लिंगेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से होते हुए मां दंतेश्वरी मंदिर संगम स्थल संकनी डंकनी पर पहुंची। सभी श्रद्धालुओं द्वारा कावड़ों में जल भरकर पुनः मां दंतेश्वरी मंदिर से होते हुए जयस्तंभ चौक, गायत्री मंदिर चौक, दुर्गा मंच आवराभाटा चौक होकर वापस सुरभी कॉलोनी राम लिंगेश्वर महादेव मंदिर सुरभी कॉलोनी आवराभाटा दंतेवाड़ा में वापस हुई। इसके पश्चात कावड़ यात्रा के श्रद्धालुओं द्वारा भगवान राम लिंगेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया गया उसके उपरांत पूजा तथा आरती की गई और भगवान भोलेनाथ के जयकारों से सुरभी कॉलोनी गूंज उठा। अंत में प्रसाद स्वरूप भंडारे का आयोजन किया गया था। आयोजन समिति के सदस्य के. के .देवांगन ने बताया कि पिछले वर्ष भी सुरभी कॉलोनी वासियों द्वारा कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया था, लेकिन इस वर्ष भगवान भोलेनाथ की कृपा से कावड़ यात्रा का भव्य रूप से आयोजन हुआ और आने वाले वर्षों में और अधिक अच्छे ढंग से आयोजन किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित रहे।

अपहृत नाबालिग बालिका को जम्मू कश्मीर तरफसे खोज निकालने में थाना बम्हनीडीह/सायबर पुलिस को मिली बड़ी सफलता

आरोपी सुरेश चौहान उम्र 21 वर्ष निवासी पिपरदा थाना बम्हनीडीह जिला जांजगीर चाम्पा

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

मामले के आरोपी द्वारा शादी करने का झांसा देकर बहला फुसलाकर कर भगा ले जाकर नाबालिग बालिका से किया अनाचार। आरोपी के विरूद्ध धारा 137(2),87, 64 (2)(ड)व्ह्स्-4,6 पाक्सो एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। मामले में आरोपी द्वारा नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर कर भगा ले गया था जिसकी सूचना रिपोर्ट पर दिनांक 15.06.2025 को थाना बम्हनीडीह में अपराध क्रं. 56/2025 धारा 137(2) व्ह्स् कायम कर विवेचना मे लिया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चाम्पा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में व अति पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप वएसडीओपी चांपा यदुमणी सिदार के कुशल मार्गदर्शन में अपृहता एवं आरोपी की लगातार पतासाजी की जा रही थी जिसको सायबर तकनीकी के माध्यम से उधमपुर जम्मू कश्मीर तरफ से आरोपी सुरेश चौहान के कब्जे से अपृहता को बरामद किया पूछताछ करने पर शादी करने का झांसा देकर बहला फुसलाकर कर भगा ले जाकर अनाचार करना जुर्म स्वीकार किए जाने से आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

पीडीएस प्रणाली की समीक्षा बैठक सम्पन्न

शक्कर वितरण और ई-केव्हीसी को लेकर दिए गए निर्देश

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार आज संयुक्त जिला कार्यालय भवन के भूतल स्थित सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) मूलचंद चोपड़ा एवं जिला खाद्य अधिकारी कीर्ति कौशिक ने संयुक्त रूप से की। इस बैठक में विकासखंड दंतेवाड़ा एवं कटेकल्याण के शासकीय उचित मूल्य दुकानों (शा. उ. मू.) के विक्रेताओं की उपस्थिति रही। बैठक का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा करना और वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना था। बैठक में अधिकारियों द्वारा सभी पीडीएस विक्रेताओं को शासन द्वारा निर्धारित दरों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से शक्कर वितरण को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए कि कार्डधारकों को शक्कर का वितरण 17 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से ही किया जाए। यदि कोई विक्रेता इस निर्धारित दर से अधिक राशि वसूलता पाया गया, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि राशन कार्ड में शामिल सभी सदस्यों की ई-केव्हीसी की प्रक्रिया 31 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से पूरी की जाए। इसके लिए विक्रेताओं को घर-घर जाकर ई-केव्हीसी सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ बिना किसी व्यवधान के मिल सके।

लौह नगरी किरंदुल में एक पेड़ मां के नाम के तहत् नगर पालिका परिषद् किरंदुल के तत्वाधान में 1001 फलदार पौधे वितरित किए गए

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

लौह नगरी किरंदुल नगर पालिका ने पर्यावरण संरक्षण और वायु प्रदूषण को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। छत्तीसगढ़ शासन की योजना के तहत आयोजित ÷एक पेड़ मां के नाम÷ कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में शहरवासियों को निःशुल्क 1000 पौधे वितरित किए गए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंडल अध्यक्ष, कार्यकर्ता, नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पौधों की देखभाल और पर्यावरण जागरूकता बनाए रखने का संकल्प लिया। उपस्थित नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे स्वच्छ और हरा-भरा किरंदुल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह सहित सभी पार्षद मौजूद रहे। नगर पालिका का यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और शहर को हरित बनाने में सकारात्मक योगदान देगा।

शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने पर फावड़े से हमला करने वाला आरोपी चढ़ा चांपा पुलिस हत्थे

- आरोपी के द्वारा लगातार शराब पीने के लिए पैसा मांग कर किया जा रहा था प्रार्थी को प्रताड़ित

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

थाना चांपा पुलिस द्वारा रिपोर्ट के चंद घंटे में आरोपी को पकड़ा गया, जिसके कब्जे से घटना मे प्रयुक्त फ़ावड़ा भी किया गया बरामद। आरोपी अमृतलाल पटेल पिता भरत लाल पटेल उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम हथनेवरा चांपा। मामले के आरोपी अमृत लाल पटेल नशेड़ी किस्म का व्यक्ति है जो आये दिन शराब पीने के लिए पैसे की मांग कर वाद विवाद करते हुए अश्लील गाली गलौच करते है। बीते शनिवार के दोपहर 03 बजे आरोपी द्वारा फावड़ा को लेकर प्रार्थी नरेश कुमार पटेल निवासी हथनेवरा के पास आया और शराब पीने के लिए पैसा की मांग करते हुए कहने लगा कि तुम मेरा बुराई करते हो फिर अचानक अपने हाथ में रखे लोहे के फावड़ा से हमला कर दिया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। थाना चांपा पुलिस द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए घटना की सूचना तत्काल जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप, एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार को दी गई जिस पर अधिकारियों द्वारा तत्काल आरोपी को पकड़कर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए जिस पर तत्काल थाना प्रभारी चांपा जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में टीम मौके की ओर रवाना किया गया टीम के द्वारा मौके पर आरोपी अमृतलाल पटेल को पकड़ा जिससे घटना के संबंध में पूछताछ करने पर शराब पीने के लिए पैसे मांगने और नहीं देने पर मारपीट करना जुर्म स्वीकार किए जाने से घटना में प्रयुक्त फावडा जस किया गया जाकर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

डॉक्टर एवं सी ए का सम्मान समारोह तथा निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर संपन्न

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

लायंस क्लब इंटरनेशनल के लायनेस्टिक वर्ष 2025-26 के प्रथम दिवस एवं डॉक्टर डे , सी ए डे के अवसर पर लायंस क्लब चांपा ने डॉक्टर्स एवं सी ए का सम्मान समारोह एवं निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर का आयोजन लायन भवन चांपा में सुबह 11:00 बजे से किया जिसमें लायन सदस्यों के द्वारा लायंस क्लब के सदस्य डॉक्टर काशी प्रसाद राठौर , डॉक्टर विश्वनाथ बिरथरे , डॉक्टर श्रीमती शरद बिरथरे, डॉक्टर विजय कुमार अग्रवाल, डॉक्टर घनश्याम प्रसाद दुबे , डॉक्टर योगेंद्र कुमार शर्मा डाक्टर श्रीमती शिरीन सिंह , डॉक्टर श्रीमती वर्षा सराफ, सी ए सुरेश अग्रवाल का पुष्पगुच्छ एवं हार भेंट कर सम्मान किया गया इस अवसर पर डॉक्टरों ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर अपने जवानी के अधिकतम समय अपना करियर बनाने में लगा देते हैं डॉक्टर बनना कभी भी आसान नहीं था इसमें संघर्ष बहुत ज्यादा है । सेवा भावना से किया जाने वाला कार्य है जिसे जिम्मेदारी से पूरा करना पड़ता है । मरीज के भरोसे में खरा उतरना पड़ता है ।

डॉक्टरों ने मौसमी बीमारी से बचकर रहने का आग्रह सदस्यों से किया । इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम निशुल्क दंत परीक्षण शिविर में दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर श्रीमती वर्षा सराफ ने लायंस हायर सेकेंडरी स्कूल चांपा में अध्यनरत विद्यार्थियों का दंत परीक्षण किया । कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर व्ही के अग्रवाल , डॉक्टर जी पी दुबे एवं राजेश अग्रवाल के जन्मदिवस के अवसर पर लायंस क्लब के सदस्यों ने केक काटकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में लायंस क्लब के सदस्य डॉक्टर संतोष कुमार अग्रवाल, बैजनाथ देवांगन ,मोहनलाल गुलाबानी, नंद कुमार देवांगन ,राजेश अग्रवाल राजेश अग्रवाल के सी , रामप्रपन्न देवांगन , विनोद कुमार अग्रवाल वासुदेव देवांगन, संतोष कुमार सोनी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर संतोष कुमार अग्रवाल ने तथा आभार प्रदर्शन क्लब अध्यक्ष लायन संतोष कुमार सोनी अधिवक्ता ने किया उक्त आशय की जानकारी क्लब के सचिव लायन राजेश अग्रवाल ने दी है ।

मलेरिया,सिकल सेल और टीबी उन्मूलन कार्यक्रम पर दिए सख्त निर्देश

स्वास्थ्य सेवाओं की गहन समीक्षा बैठक, आयुक्त एवं सह-संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभागार में आज स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य सेवाओं की आयुक्त एवं सह-संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने की। बैठक में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़, सिकल सेल रोग नियंत्रण और टीबी उन्मूलन जैसे जन स्वास्थ्य से जुड़े अहम मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत करते हुए डॉ. शुक्ला ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन का उद्देश्य है कि मलेरिया को पूरी तरह समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव है जब जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य अमला पूरी सक्रियता के साथ कार्य करे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे स्वयं फील्ड में जाकर मलेरिया अभियान की निगरानी करें।

डॉ. शुक्ला ने कहा कि आरडी किट से जांच के दौरान यदि कोई व्यक्ति मलेरिया पॉजिटिव पाया जाता है, तो उसे दवा की पूरी खुराक दी जाए। साथ ही मितानिनों द्वारा दी गई दवाओं का रैफर जमा किया जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मरीज ने दवा पूरी कर ली है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ÷मलेरिया से किसी भी स्थिति में मृत्यु नहीं होनी चाहिए।÷ इस अभियान में एपीआई दर को 2 प्रतिशत से नीचे लाने का भी लक्ष्य तय किया गया है।

बैठक में आश्रम शालाओं की स्वास्थ्य व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। डॉ. शुक्ला ने कहा कि सभी आश्रम शालाओं में नियमित रूप से मलेरिया की जांच सुनिश्चित की जाए। यदि एक भी छात्र मलेरिया पॉजिटिव पाया जाता है, तो तत्काल सभी छात्रों की स्क्रीनिंग की जाए। सिकल सेल रोग पर विशेष चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि जितने भी मरीज सिकल सेल से पीड़ित हैं, उनका तुरंत आभा हेल्थ आईडी बनाया जाए, ताकि उनके इलाज में किसी तरह की बाधा न आए। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी समर्पण भाव से कार्य करें, तो सिकल सेल की रोकथाम और बेहतर इलाज की व्यवस्था की जा सकती है।

डॉ. शुक्ला ने टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की भी समीक्षा करते हुए कहा कि सभी पंचायतों में 'टीबी मित्र' बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि जब जागरूकता स्थानीय बोली और भाषा में होगी, तब लोग अधिक बेहतर समझ पाएंगे और इलाज के लिए आगे आएंगे। उन्होंने बताया कि टीबी मित्र स्थानीय स्तर पर न केवल प्रचार-प्रसार करेंगे, बल्कि संभावित मरीजों की पहचान और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएंगे।

बैठक में डॉ. शुक्ला ने जिले में संचालित अन्य स्वास्थ्य योजनाओं जैसे जननी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, टीकाकरण अभियान और कृमि मुक्ति अभियान की भी क्रमवार समीक्षा की और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर डॉ. शुक्ला ने कहा कि ÷हमारा कार्य केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगों की रोकथाम, जागरूकता और जन विश्वास बनाना भी हमारी जिम्मेदारी है।गर्भवती माताओं का प्रथम तिमाही में पंजीयन करना आवश्यक है, क्यूंकि उनकी चार बार जांच होंगी जिससे उच्च जोखिम वाली माताओं का पता चलेगा जिससे होने वाली मातृ मृत्यु को कमी की जा सके। प्रत्येक माह 9 एवं 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में पंजीकृत गर्भवती माताओं सभी बीब, चीब एवं की में लाकर जाँच करवाए। इसकी चार्ट बनाकर जांच करें जिससे पता चलो कि कौन सी गर्भवती कब आई थी। उच्च जोखिम वाली माताओं की प्रसव पूर्व फॉलोअप करना अति आवश्यक है और प्रसव उच्च संस्था में ही करें, ताकि जच्चा और बच्चा दोनों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। बैठक में कलेक्टर कुणाल दुदावत, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी, सभी सीएचसी-पीएचसी प्रभारी, मलेरिया, टीबी और सिकल सेल प्रभारी तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 236.8 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 20 जुलाई 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 236.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील थानखम्हरिया में 305.3 मि.मी. तथा न्यूनतम 134 मि.मी. वर्षा नवागढ़ तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 194.3 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 284 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 249.9 मि.मी., देवकर तहसील में 235.5 मि.मी, वर्षा दाढ़ी तहसील मे 302.3 मि.मी., वर्षा भिंभौरी तहसील में 174 मि.मी. एवं साजा तहसील में 252 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

शिक्षा रोजगार से वंचित कर,नशे की ओर धकेलकर युवाओं को वोट के लिए इस्तेमाल कर रही सरकार–सूरज उपाध्याय

छत्तीसगढ़ मे सुशासन नहीं जंगलराज है –गोपाल साहू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रायपुर - आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने छत्तीसगढ़ में बिगड़ी कानून व्यवस्था पर राज्य की सहायक सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था की स्थिति कई घटनाओं और आंकड़ों के आधार पर लगातार बदतर होती दिखाई दे रही है। अपराधों में वृद्धि, पुलिस की निष्क्रियता, नक्सली हिंसा, महिला सुरक्षा और राजनीतिक संरक्षण जैसे मुद्दों ने स्थिति को चिंताजनक बना दिया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (ह्ष्ट्रक्क) के 2023 आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 15त्न की वृद्धि हुई। औसतन 5ङ्क6 मामले दर्ज। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ी। राजधानी रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर जैसे शहरों में हत्या और लूटपाट की घटनाएं आम हो गई हैं। चाकूबाजी और गैंगवार की घटनाएं बढ़ी हैं, खासकर युवाओं में नशे के कारण। बस्तर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर जैसे क्षेत्रों में नक्सली हमलों की घटनाएं अब भी चुनौती बनी हुई हैं। छत्तीसगढ़ में अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण और पैसे के बल पर बच निकलने की छूट मिली हुई है। गोपाल साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवाओं में नशे की स्थिति चिंताजनक है,सरकार युवाओं को शिक्षा रोजगार से वंचित कर, नशे की ओर धकेलकर वोट बैंक के लिए इस्तेमाल कर रही है। राज्य में शराब, गांजा, अफीम, स्मैक, कोरेक्स, टेबलेट और तंबाकू उत्पादों का सेवन लगातार बढ़ रहा है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और युवाओं में नशे की प्रवृत्ति चिंताजनक है। बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, धमतरी व सरगुजा क्षेत्रों में अवैध खेती और तस्करी की घटनाएं सामने आई हैं। कॉलेज और स्कूल स्तर पर नशे का चलन खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। नशे के व्यापार पर सरकार जानबूझकर रोक नहीं लग रही है क्योंकि सरकारी है चाहती है कि आज का युवा नाश करें और कोई न कोई अपराध करें ताकि अपराधी होने के कारण सरकारी नौकरी के लिए स्वतः अपात्र हो जाएगा तो सरकार को नौकरी देने के झंझट से छुटकारा मिल जायेगा।

गोपाल साहू ने कहा कि सरकार कानून-व्यवस्था सुधारने के बजाय अपराधों को दबाने या आंकड़ों में हेरफेर करने का प्रयास कर रही है। जनता की सुरक्षा के बजाय ङ्खढ्ढक्कसुरक्षा पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है।छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक ढील और सख्त कार्रवाई की कमी है।पुलिस राजनीतिक दबाव में काम करने को मजबूर है। कमजोर इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक की कमी के कारण या तो आरोपी पकड़ा ही नहीं जाता या फिर उस पर बाद में अपराध सिद्ध नहीं हो पाता है। जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हो जातें हैं। गोपाल साहू ने कहा कि कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के कारण लोगों का भरोसा सरकार और पुलिस से उठ रहा है। महिलाएं और बच्चे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। छत्तीसगढ़ सरकार का दावा है कि राज्य में ÷कानून का राज÷ है, लेकिन अपराध, नक्सली वारदात और प्रशासनिक ढील साबित करती है कि सरकार कानून व्यवस्था में पूरी तरह विफल है!

ग्रीन डे पर एलिगेंट पब्लिक स्कूल में पौधा रोपण के साथ हुई विविध प्रतियोगिताएं

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

एलिगेंट पब्लिक स्कूल, बिर्रा रोड चांपा में शुक्रवार को 'ग्रीन डे' का आयोजन हर्षोल्लास एवं रचनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण जागरूकता को लेकर विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर हरियाली और प्रकृति संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया।कार्यक्रम की अगुवाई विद्यालय के प्राचार्य विश्वजीत रथ एवं एच.आर. श्रीमती सारिका अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में की गई।एलेगेंट वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष विक्की मनवानी एवं सदस्यगण,अनिल सोनी, प्रकाश अग्रवाल, अंशुल श्रीवास्तव, ध्रुव मेहर, नागेन्द्र गुप्ता एवं विवेक शर्मा ने कार्यक्रम में सहभागिता की और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख शिक्षकों में रजनी तिवारी, सुनीता बरेठ, चंद्रिका साहू, सोनाली शाह, अंतरा कर्ष, ज्योति शर्मा, ज्योति सोनी, प्रगति पांडे, मनीषा पटेल, भूमिका पटेल, अंजली केंवट, श्वेता साहू एवं शिवम् सोनी शामिल रहे। बच्चों के लिए विशेष रूप से 'फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता', 'ड्राइंग', 'निबंध लेखन' एवं 'कविता लेखन' प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अत्यंत रचनात्मकता और उत्साह के साथ भाग लिया। फैंसी ड्रेस में बच्चों ने पेड़, फूल, धरती माता, जल, पक्षी, आदि का रूप धारण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। वहीं ड्राइंग, कविता व निबंध के माध्यम से बच्चों ने अपने विचारों को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में बच्चों ने ÷पेड़ लगाओ ङ्क जीवन बचाओ÷, ÷धरती को हरियाली से सजाओ÷ जैसे नारों के साथ रैली निकालकर जन-जागरूकता का संदेश दिया और स्कूल परिसर में सामूहिक पौधरोपण कर पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। कार्यक्रम के समापन पर 'एलिगेंट परिवार' ने यह संकल्प लिया कि ÷प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हम सभी की ज़िम्मेदारी है। हर पौधा एक जीवन है, और हर छोटा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और हरा-भरा भविष्य तैयार कर सकता है।÷यह आयोजन न केवल शैक्षिक था, बल्कि बच्चों में नैतिक जिम्मेदारी और प्रकृति के प्रति प्रेम का भाव जागृत करने वाला सिद्ध हुआ।

प्राकृतिक सौंदर्य से जुड़ने का अनूठा प्रयास केशकुंड ट्रैक का वन विभाग ने किया सफल आयोजन

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

वन विभाग दंतेवाड़ा द्वारा जिलेवासियों को प्रकृति से जोड़ने तथा स्वास्थ्यप्रद जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर सप्ताह ट्रैकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 20 जुलाई को बारसूर स्थित केशकुंड में तीन किलोमीटर लंबा ट्रैक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं, स्कूली बच्चों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने घने जंगलों, पथरीली पगडंडियों और शांत जलप्रपातों के बीच प्रकृति की गोद में चलते हुए मनोरम दृश्यों का अनुभव किया। वन विभाग द्वारा मार्ग में सुरक्षा के समुचित प्रबंध किए गए थे तथा प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्व से भी अवगत कराया गया। वनमंडलाधिकारी दंतेवाड़ा ने बताया कि ÷ऐसे आयोजन लोगों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और स्थानीय पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। भविष्य में भी इस प्रकार के ट्रैक नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे। केशकुंड ट्रैक न केवल ट्रैकिंग प्रेमियों के लिए एक रोमांचकारी अनुभव साबित हुआ, बल्कि यह सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरणीय शिक्षा का प्रभावी माध्यम भी बना।

भैयाथान सीएचसी में इलाज के नाम पर मज़ाक

सर्पदंश पीड़िता को खानापूर्ति कर किया गया रेफ़र, उठे गंभीर सवाल

सूरजपुर/भैयाथानः /मूक पत्रिका

जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैयाथान में इलाज के नाम पर हो रही खानापूर्ति एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। शुक्रवार को एक सर्पदंश पीड़िता महिला को बिना उचित इलाज किए सीधे रेफर कर देने का मामला सामने आया है, जिससे न सिर्फ ग्रामीणों में भारी आक्रोश है बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही भी उजागर हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, 18 जुलाई की सुबह लगभग 10 बजे एक महिला सर्पदंश की हालत में भैयाथान सीएचसी पहुंची। मरीज के साथ आए परिजनों ने पर्ची बनवाकर तत्काल एमबीबीएस डॉक्टर अभिषेक नामदेव के पास महिला को दिखाया। लेकिन डॉक्टर द्वारा न तो कोई गंभीर परीक्षण किया गया और न ही प्राथमिक उपचार के रूप में आवश्यक एंटीस्नेक वेनम दिया गया, जो कि सर्पदंश के इलाज में प्रथम आवश्यकता होती है। इसके स्थान पर महिला को केवल टिटनेस, पैरासिटामोल और डेक्सोना का इंजेक्शन देकर सूरजपुर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह सीधी लापरवाही की श्रेणी में आता है, क्योंकि सर्पदंश के मामलों में रेफरल से पहले प्राथमिक जीवनरक्षक उपचार आवश्यक होता है। डिग्रीधारी डॉक्टर, लेकिन कर्तव्यहीन रवैया? सरकार लगातार यह दावा करती रही है कि राज्य के प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में प्रशिक्षित और योग्य डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है और सर्पदंश जैसे मामलों में हर स्तर पर इलाज संभव है। लेकिन भैयाथान का यह मामला इन दावों की जमीनी सच्चाई को नंगा करता है।ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर सिर्फ बैठने की औपचारिकता निभाते हैं, और गंभीर मामलों में बिना इलाज के मरीजों को रेफर कर दिया जाता है। पर्ची में लिखी गई दवाएं और उपचार देखकर यह कहना मुश्किल नहीं कि यह डॉक्टर डिग्री तो रखते हैं, पर जिम्मेदारी नहीं।प्रशासन की चुप्पी पर भी सवालअब तक इस मामले में कोई जांच नहीं बैठाई गई, न ही डॉक्टर से स्पष्टीकरण लिया गया है। सवाल यह है कि जब ऐसे गंभीर मामलों में भी जवाबदेही तय नहीं होगी, तो ग्रामीणों का भरोसा सरकारी अस्पतालों से उठता नहीं तो क्या होगा?

जनता का सवाल, आखिर ज़िम्मेदार कौन?

भैयाथान स्वास्थ्य केंद्र में हुआ यह कृत्य महज़ लापरवाही नहीं बल्कि मरीज की जान के साथ खिलवाड़ है। स्वास्थ्य विभाग, ज़िला प्रशासन और शासन को चाहिए कि इस घटना को हल्के में लेने के बजाय कड़ी कार्रवाई कर जिम्मेदारी तय करे, ताकि आगे इस तरह की घटनाएं दोहराई न जाएं।

क्या अब भी भैयाथान स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के नाम पर रेफर' की राजनीति चलती रहेगी?, क्या ग्रामीणों की जान की कोई कीमत नहीं है?, क्या सरकार सिर्फ कागज़ों पर इलाज देती है?

हत्या एवं लूट कांड के आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता के न्यायालय द्वारा आरोपी जोगेन्द्र पोडियाम उर्फ जोगा एवं कमलेश मरकाम उर्फ कमलू को हत्या एवं लूट कांड के आरोप सिद्ध होने आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इसके अनुसार दोनों आरोपियों द्वारा चितालंका दंतेवाड़ा में मृतक अंकित गुप्ता को घातक आयुध टंगिया से मारपीट कर उसकी हत्या करने के साथ-साथ उसके पास रखे 4,000 रुपये, मोबाईल लूट लिया गया था। हत्या करने के पष्चात दोनों आरोपियों ने उसके कॉलेज बैग, जैकेट एवं मोटर सायकल को छिपाकर साक्ष्य के विलोपन का अपराध भी किया गया। अतः न्यायालय द्वारा विचारण करते हुये आरोपी जोगेन्द्र पोडियाम उर्फ जोगा एवं कमलेश मरकाम उर्फ कमलू को धारा-394 सहपठित धारा-397 भा.द.सं., धारा-302,34 भा.द.सं. में सिद्धदोष पाते हुये सजा सुनाया गया है। आरोपीगण को धारा-302,34 भा.द.सं. के अपराध में आजीवन कारावास की सजा तथा धारा-394 सहपठित धारा-397 भा.द.सं. के अपराध में 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा न्यायालय द्वारा दिया गया है। घटना अनुसार 03 दिसंबर 2021 को जय विजय हिरो मोटर शो रूम दंतेवाड़ा के फाईनेंसर अंकित गुप्ता आरोपी जोगेन्द्र पोडियाम उर्फ जोगा द्वारा खरीदे गये एम.एम. डीलक्स मोटर साईकिल की किस्त की राशि लेने के लिये दोपहर 02.00 बजे गया था। अभियुक्तगण किस्त की राशि देने के नाम पर अंकित गुप्ता को जंगल की ओर ले गये थे, जहा पर अभियुक्तगण के द्वारा टंगिया से घातक वार कर अंकित गुप्ता की हत्या कर दी गई थी। आरोपीगण के विरूद्ध 04 दिसंबर 2021 को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किया गया था।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के आरोपीगण को दी गई सजा

- *पी डब्लू डी अधिकारीगण को जेल कि सजा*

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता, विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) दंतेवाड़ा छत्तीसगढ़ के न्यायालय ने आरोपी चोवाराम पिस्दा, ने लोक निर्माण विभाग सुकमा में कार्यपालक अभियंता के पद पर एवं आरोपी ज्ञानेश कुमार तारम, लोक निर्माण विभाग उप संभाग कोन्टा जिला सुकमा में उप अभियंता एवं प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी के पद पर पदस्थ रहते हुये वर्ष 2010-11 में एल.डब्ल्यू. ई. योजना अन्तर्गत चिंतलनार से मरईगुड़ा के सड़क ठेकेदार नीरिज सीमेंट स्ट्रक्चर लिमिटेड बम्बई के अधिकृत ठेकेदार मदिना मोहम्मद से कराये जाने के दौरान माप पुस्तिका में कार्य से अधिक फर्जी मापदण्ड कर देयक तैयार कर 2,84,06,785 रूपये अधिक निकलवाने, आपराधिक अवचार करने, माप पुस्तिका में कार्य से अधिक फर्जी मापदण्ड कर देयक तैयार कर ठेकेदार को दिलाने, कुटरचना कर, छल करने के अपराध में सिद्धदोष पाते दोषी पाते हुये आरोपीगण को धारा-13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत 02 वर्ष का सश्रम कारावास, धारा-120 भा.द.सं. में 01 वर्ष का सश्रम कारावास, धारा-420 भा.द.सं. में 03 वर्ष का सश्रम कारावास, धारा-467 भा.द.सं. में 03 वर्ष का सश्रम कारावास, धारा-468 भा.द. सं. में 03 वर्ष का सश्रम कारावास, धारा 471 भा.द.सं. में 03 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा से दण्डित किया गया है। घटना के संबंध में 05 सितंबर 2012 को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किया गया था। न्यायालय में 29 जुलाई 2019 को अंतिम प्रतिवेदन चार्जशीट प्रस्तुत किया गया था। अभियोजन द्वारा कुल 19 साक्षियों का कथन न्यायालय में कराया गया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता, विशेष न्यायाधीश (भ्रष्ठाचार निवारण अधिनियम) दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा छ.ग. के न्यायालय ने आरोपी चोवाराम पिस्दा एवं आरोपी ज्ञानेश कुमार तारम के विरूद्ध उक्त फैसला 16 जुलाई 2025 को सुनाया है।

भूविस्थापित परिवारों को नौकरी दे एसइसीएल प्रबंधन- बल्लू राम भवानी , प्रदेश उपाध्यक्ष, आप छ ग

भूविस्थापित परिवार अर्धनग्न प्रदर्शन करने मजबूर, स्श्वष्टरुप्रबंधन को शर्म आनी चाहिए- मिथिलेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष (महिला विंग) छ ग

रायपुर/दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

आम पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष बल्लू राम भवानी ने कोरबा में भूविस्थापित परिवारों के प्रति स्श्वष्टरु प्रबंधन के अन्याय पर रोष जताते हुए कहा कि कुसमुंडा परियोजना में कालांतर में दी गई फर्जी नौकरियों के कारण अनेक भूविस्थापित परिवार के लोग नौकरी के लिए भटक रहे हैं विस्थापितों के खातों में दूसरों को फर्जी नौकरी देने की बात कह रहें हैं,जिसके खिलाफ महिलाओं ने शुक्रवार को जीएम कार्यालय के भीतर अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया गया इन्होंने अधिकारी को कहा कि आप चूड़ी पहन लो, हम यहां से चले जाएंगे। प्रबंधन को परिवारों के साथ न्याय करना चाहिए। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका शुक्ला ने कहा कि प्रबंधन की अनदेखी से भूविस्थापितों परिवार की महिलाएं अर्धनग्न प्रदर्शन करने मजबूर होना पड़ रहा है, स्श्वष्टरु प्रबंधन को शर्म आनी चाहिए।एसईसीएल के अधिकारी यह सफाई देते रहे कि जिनकी जमीन ली गई है उनके द्वारा दिए सहमति के आधार पर एवं राज्य शासन की इकाईयों के द्वारा किए गए सत्यापन के उपरांत ही नौकरी दी गई है तो इसमें स्श्वष्टरु की गलती कहां? इस पूरे मामले में तत्कालीन अधिकारी पर अनेक लोगों को फर्जी नौकरियां देने का आरोप है, जिसकी जाँच होनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष (महिला विंग) मिथिलेश बघेल ने बताया कि वर्ष 1978 का वह दौर था जब अविभाजित मध्यप्रदेश में भी पुनर्वास नीति लागू नहीं हुई थी उस समय कलेक्टर भू अर्जन समिति के अध्यक्ष हुआ करते थे और उनके अध्यक्षता में गठित कमेटी में शामिल सदस्यों के साथ-साथ आसपास के विधायकों के द्वारा बनाई गई नीति के अनुसार ही कार्य होता था लगभग तीन एकड़ भूमि पर एक नौकरी का प्रावधान रखा गया, इसी तरह यह प्रावधान भी था कि यदि किसी की छोटी जमीन भी है तो उसे भी नौकरी दी जाएगी ताकि मैनपावर की पूर्ति की जा सके कोयला खदानों के संचालन के लिए मानव संसाधन की आवश्यकता थी नौकरियां शुरुआती दौर में लग रही थी और उस समय के राजस्व विभाग से जुड़े अधिकारियों, आर आई पटवारी ने बड़ी चालाकी से जमकर खेल खेला। तरूण बेदरकर ने कहा कि जमीनों में जमकर हेर फेर किया और टुकड़ों में जमीन की बिक्री करवा कर रिकॉर्ड में दिखाकर नौकरियों को बेचा बड़ी जमीनों को छोटे-छोटे टुकड़े करवा कर उन टुकड़ों पर नौकरियां दिलवाई गई और यह पूरा फर्जीवाड़ा हुआ इसके अलावा कई ऐसे भी लोग थे जो उस समय नौकरी नहीं करना चाहते थे और उनके घर में कोई नौकरी लायक आश्रित भी नहीं था, किंतु चालाक लोगों ने इनसे समझौता करा कर कोई न कोई नाता जोड़कर,सहमति लेकर नौकरी हासिल कर ली अब ऐसे ही अधिकांश जमीन मालिकों के परिवार जिनके खाते में नौकरी उनके आश्रितों को नहीं मिली है, वह अपनी नौकरी मांग रहे हैं सारा कुछ तत्कालीन चंद राजस्व अधिकारियों-कर्मियों और एसईसीएल के चंद अधिकारियों की सांठगांठ से हुआ जिसका खामियाजा आज तक भूविस्थापित भुगतते आ रहे हैं ।

भूपेश बघेल ने अपने आकाओं के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के संसाधनों को बेचा :केदार कश्यप

भूपेश बघेल झूठ की फैक्ट्री, कोयला आबंटन के लिए कई पत्र लिखे ,परमिशन दिलवाई : केदार कश्यप

भाजपा ने पत्रकार वार्ता में किया कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश
जारी किए,कोयला आबंटन और पेड़ों की कटाई के भूपेश बघेल सरकार के कई दस्तावेज
भूपेश अपने भ्रटाचार को छुपाने रोज 100 झूठ बोल रहे है :केदार कश्यप

रायपुर /मूक पत्रिका

वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने बीते रविवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आहूत संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर कांग्रेस पार्टी और भूपेश बघेल के झूठ का पर्दापाश हो गया है। भाजपा ने पत्रकार वार्ता में तथ्यों एवं दस्तावेज प्रेजेंटेशन के माध्यम से कांग्रेस के झूठ को एक बार फिर बेनकाब किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चोरी और सीनाजोरी का उदाहरण बार-बार प्रस्तुत कर रही है। आप सबको पता होगा कि अपने शासनकाल के पाँच वर्ष में भूपेश बघेल जी ने छत्तीसगढ़ को दस जनपथ का चारागाह बना दिया था। मंत्री कश्यप ने कहा कि शराब घोटाले, कोयला घोटाले, चावल घोटाले, गोठान घोटाले से लेकर पीएससी घोटाले तक में इसने प्रदेश के संसाधनों को जम कर लूटा था, आज इन घोटालों के आरोपी एक एक कर नप रहे हैं। सभी जेल जा रहे हैं। कश्यप ने कहा कि बेवजह जिस तरह अपराधियों के विरुद्ध हो रही कानून सम्मत कार्रवाई को कहीं और मोड़ा जा रहा है, वह दुर्भाग्यजनक और कांग्रेस में हिप्पोक्रेसी का सबसे बड़ा नमूना है। मंत्री कश्यप ने कहा कि जब भी आप सभी कॉल ब्लॉक आवंटन और पेड़ कटाई आदि पर सवाल उठाते थे, तो दस जनपथ के दबाव में सीधे तौर पर भूपेश बघेलजी बचाव में आ जाते थे। कहते थे कि कोल ब्लॉक आवंटन का विरोध करने वाले अपने-अपने घरों की बिजली बंद कर दें। सवाल यह है कि अब जब झूठे और बेबुनियाद आरोप लगा कर भूपेशजी अपनी कालिख धोने की कोशिश कर रहे हैं, तो क्या वह अपने घर और राजीव भवन की बिजली बंद करेंगे? मंत्री कश्यप ने कहा कि यह तथ्य है कि न केवल भूपेश बघेल ने कोल ब्लॉक अशोक गहलोत को आवंटित किया था, बल्कि उससे पहले भी मनमोहन सिंह जी की सरकार में तमाम नियमों को धत्ता बताते हुए छत्तीसगढ़ के कोल ब्लॉक आवंटन की राह आसान की थी। उन्होंने कहा कि साल 2010 में केन्द्र में काँग्रेस की सरकार थी, तब कोयला मंत्रालय और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा हसदेव अरण्य को पूरी तरह से नो-गो जोन घोषित किया गया था। उसे कांग्रेस नीत सरकार के पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने ही सबसे पहले गो एरिया घोषित किया था। मंत्री कश्यप ने कहा कि 23 जून 2011 को केन्द्र में कांग्रेस की सरकार रहते ही तारा परसा ईस्ट और कांटे बेसन कोल ब्लॉक को खोलने का प्रस्ताव दिया गया। जब छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, उस वक्त अडानी को दो बड़ी खदानों गारे पेलमा सेक्टर-2 और राजस्थान में केते एक्सटेंशन ब्लॉक का ऑपरेटर बनाया गया। इसी तरह भूपेश बघेलजी के मुख्यमंत्री कार्यकाल में ही 16 अक्टूबर 2019 को राज्य सरकार ने पर्यावरण स्वीकृति के लिए सिफारिश भेजी।मंत्री कश्यप ने कहा कि 31 मार्च 2021 को ओपन कास्ट गारे पेलमा सेक्टर-2, मांड-रायगढ़ कोलफील्ड के लिए हुआ समझौता भी सबके सामने है। इसी क्रम में 19 अप्रैल 2022 को भूपेश बघेल जी के मुख्यमंत्री रहते ही कांग्रेस सरकार द्वारा वन स्वीकृति स्टेज-1 और 23 जनवरी 2023 को वन स्वीकृति स्टेज-2 के लिए सिफारिश भेजी गई। मंत्री कश्यप ने कहा कि महाजेंको कोल फील्ड की स्वीकृति में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संलिप्तता को लेकर तब अनेक अखबारों ने समाचार भी प्रकाशित किए थे। 25 मार्च 2022 को भूपेश सरकार ने राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार के रहते राजस्थान को कोल माइंस का आबंटन किया था।

भाजपा ने कांग्रेस से सवाल किया किः-

- क्या वह मनमोहन सिंह सरकार के समय हुए निर्णयों के लिए आज माफ़ी मांगेंगे?

- क्या भूपेश बघेल यह घोषणा करेंगे कि अब कांग्रेस कभी बिजली का उपयोग नहीं करेगी, क्योंकि स्वयं यह कह चुके हैं कि विरोध करने वाले अपने घर की बिजली बंद कर दें।

- क्या कांग्रेस हर अपराधी के पक्ष में ऐसे ही खड़ी होगी, जैसे आज पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे के लिए हुई है?मंत्री कश्यप ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार रही तब राजस्थान के तत्कालीन मंत्री बी डी कल्ला ने भूपेश बघेल को पत्र लिखा और राजस्थान के तत्कालिक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक सप्ताह के भीतर कई पत्र लिखे कोल ब्लॉक आंबटन के लिए। जिसे छत्तीसगढ़ और देश की जनता ने देखा है।पत्रकार वार्ता में प्रदेश महामंत्री एवं नान अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, पूर्व विधायक एवं छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम अध्यक्ष सौरभ सिंह, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, आलोक सिंह, सोशल मीडिया संयोजक सोमेश पांडेय मौजूद रहे।

संपादकीय

अहमदाबाद हादसे के बाद जागा विमानन तंत्र

अहमदाबाद में पिछले माह हुए बोइंग विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रपट ने शासन एवं प्रशासनिक अमले की आंख खोल दी है। जांच रपट में कहा गया था कि हादसे के वक्त विमान के दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच बंद हो गए थे। विमानन नियामक डीजीसीए ने अब इस पर गंभीरता दिखाते हुए एअरलाइन कंपनियों से अपने बोइंग 787 और 737 विमानों में ईंधन स्विच प्रणाली की जांच करने को कहा है। कुछ विमानन कंपनियों ने तो इन दिशा-निर्देशों से पहले ही अपने विमानों की जांच शुरू कर दी थी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि विमानन नियामक व संबंधित कंपनियों ने जो सतर्कता एवं गंभीरता हादसे के बाद दिखाई है, क्या वह पहले अनुपस्थित थी। अगर नहीं, तो इसकी जरूरत अब क्यों पड़ी? फिर क्या अनिवार्य तौर पर एहतियात बरतने की यह प्रणाली भविष्य में भी सुचारु रहेगी? यह सवाल इसलिए भी अहम है कि आमतौर पर किसी हादसे के सबक का असर प्रबंधकीय तंत्र पर ज्यादा दिन तक नहीं रहता और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर चलने लगती है। अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की प्रारंभिक जांच रपट में कहा गया था कि एअर इंडिया के विमान बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच अचानक बंद हो गए थे। रपट में 'काकपिट वायस रेकार्डिंग' के हवाले से यह भी कहा गया कि विमान के एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि ईंधन स्विच बंद क्यों किया, तो जवाब मिला कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। हालांकि, यह आशंका भी जताई जा रही है कि हो सकता है पायलट ने गलती से ईंधन नियंत्रण स्विच बंद कर दिए हों। मगर, विमानन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ इन आशंकाओं को यह कहकर खारिज कर रहे हैं कि पायलट के लिए इस स्विच को गलती से बंद कर देना आसान नहीं, क्योंकि इसमें 'मैकेनिकल गेट' लगा होता है। यानी प्रारंभिक जांच रपट में सवाल तो उठाए गए हैं, लेकिन उनका जवाब आगे की जांच पर छोड़ दिया गया है। जांच रपट में एक और हैरान कर देने वाला खुलासा किया गया है कि हादसे का शिकार हुए विमान की ईंधन नियंत्रण स्विच प्रणाली की उड़ान से पहले जांच नहीं की गई थी, क्योंकि यह कभी अनिवार्य नहीं था और वर्ष 2023 से ईंधन नियंत्रण स्विच से संबंधित कोई दोष भी सामने नहीं आया। जबकि अमेरिकी नियामक संघीय विमानन प्रशासन ने (एफएए) ने वर्ष 2018 में 787 और 737 सहित बोइंग विमानों के कुछ माडल में ईंधन स्विच प्रणाली में खराबी की आशंका का संकेत दिया था। मगर हादसे की प्रारंभिक जांच रपट में कहा गया है कि इस सूचना में कोई ऐसा संकेत नहीं था, जिससे यह मुद्दा सुरक्षा संबंधी चिंता का विषय लगे। ऐसे में यह सवाल अहम है कि जब नियमानुसार उड़ान से पहले विमान के बाकी सभी उपकरणों व प्रणालियों की जांच की जाती है तो इस दौरान एहतियाती तौर पर ईंधन नियंत्रण स्विच प्रणाली की जांच भी जरूरी क्यों नहीं हो? भारतीय विमानन कंपनियां 150 से अधिक बोइंग 737 और 787 विमानों का संचालन करती हैं। ऐसे में इस प्रणाली की जांच के महत्त्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि डीजीसीए के ताजा दिशा-निर्देशों पर गंभीरता से अमल होगा और विमान यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित बनाने की दिशा में बेहतर उपाय किए जाएंगे।

भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए। हरियाली का विस्तार, जल स्रोतों की सुरक्षा, वर्षा जल संचय, वाहनों एवं एयर कंडीशंस की संख्या की कमी से ही हम प्रचंड गर्मी को कम कर सकते हैं। पृथ्वी का तापमान घटेगा तभी मानव सुरक्षित रह पाएगा। उक्त संदर्भ में यह हम सभी भारतीयों के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि हमारे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन मौजूद हैं जो सदैव ही सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर, देश पर आने वाली किसी भी विपत्ति में आगे आकर, सेवा कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं।

स्वच्छता एवं नशामुक्ति के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते सामाजिक संगठन

(प्रह्लाद सबनानी)

बीते कुछ वर्षों में कंकरीट की इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश के महानगर अर्बन हीट आइलैंड बन रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड वह क्षेत्र होता है जहां अगल-बगल के इलाकों से अधिक तापमान रहता है।

इस धरा पर जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव के लिए प्रकृति ने पर्याप्त खाद्य पदार्थ दिए हैं परंतु अति लालच के चलते मानव ने प्रकृति का शोषण करना शुरू कर दिया है। इसमें कोई अब कोई संदेह नहीं रह गया है कि मानव ने अपनी जिंदगी को आसान बनाने के लिए पर्यावरण का अत्यधिक नुकसान किया है और इसका परिणाम आज उसे ही भुगतना भी पड़ रहा है। कई देशों में तो भयंकर गर्मी में वहां के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जिनसे जान और माल की भारी हानि हो रही है। हम पर्यावरण के सम्बंध में बढ़ चढ़ कर चर्चाएं तो करते हैं परंतु आज हमारे गावों में खेत, प्लाटों में परिवर्तित हो गए हैं। हमारे खेतों पर शोपिंग काम्प्लेक्स एवं मॉल खड़े हो गए हैं जिससे हरियाली लगातार कम होती जा रही है।

बीते कुछ वर्षों में कंकरीट की इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश के महानगर अर्बन हीट आइलैंड बन रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड वह क्षेत्र होता है जहां अगल-बगल के इलाकों से अधिक तापमान रहता है। कई स्थानों पर अत्यधिक गर्मी के पीछे अपर्याप्त हरियाली, अधिक आबादी, घने बसे घर और इंसानी गतिविधियां जैसे गाडियों और गैजेट से निकलने वाली हीट आदि कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। कार्बन डाईआक्साइड और मेथेन जैसी ग्रीन हाउस गैसों एवं कूड़ा जलाने से भी गर्मी बढ़ती है। राजधानी दिल्ली का उदाहरण हमारे सामने है। जहां चारों दिशाओं में बने डंपिंग यार्डों में आग लगी ही रहती है और लोगों का सांस लेना भी अब दूभर हो रहा है।

भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए। हरियाली का विस्तार, जल स्रोतों की सुरक्षा, वर्षा जल संचय, वाहनों एवं एयर कंडीशंस की संख्या की कमी से ही हम प्रचंड गर्मी को कम कर सकते हैं। पृथ्वी का तापमान घटेगा तभी मानव सुरक्षित रह पाएगा।

उक्त संदर्भ में यह हम सभी भारतीयों के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि हमारे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन मौजूद हैं जो सदैव ही सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर, देश पर आने वाली किसी भी विपत्ति में आगे आकर, सेवा कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं। भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को ही प्रारम्भ कर दिया है। जिसके अंतर्गत समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर संघ द्वारा देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। साथ ही, विभिन्न शहरों को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने हेतु भी विशेष अभियान प्रारम्भ किए हैं। उदाहरण के तौर पर ग्वालियर को स्वच्छ, नशामुक्त एवं प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का बीड़ा उठाया गया है।

इसी संदर्भ में ग्वालियर महानगर में विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर के एक विशेष सत्र में इस बात पर विचार किया गया कि ग्वालियर महानगर को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाया जाना चाहिए। उक्त शिविर के समापन के पश्चात उक्त समस्याओं के हल हेतु

विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं की तीन बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों में विस्तार से विचार करने के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि कुछ चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन्न मठ, मंदिरों, स्कूलों, संस्थानों आदि में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा जाए ताकि उक्त समस्याओं के हल में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस संदर्भ में चुने गए 60 कार्यकर्ताओं के लिए एक वक्ता कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इन चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन संस्थानों में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया था ताकि उक्त समस्याओं के हल करने हेतु समाज को भी साथ में लेकर कार्य को सम्पन्न किया जा सके।

साथ ही, ग्वालियर को प्रदूषण मुक्त सुंदर नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को, ग्वालियर के चुने हुए 29 चौराहों पर मानव श्रृंखलाएं बनाई गई थी, लगभग 8,000 नागरिकों ने इस मानव श्रृंखला में भागीदारी की थी। इसी प्रकार, ग्वालियर को व्यसन मुक्त नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर, दिनांक 12 जनवरी 2025 को एक विशाल मेराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के आयोजन में स्थानीय प्रशासन का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ एवं लगभग 6,000 नागरिकों ने इस मेराथन दौड़ में भाग लिया था।

संघ के ग्वालियर विभाग द्वारा ग्वालियर महानगर में अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने की मुहिम प्रारम्भ की गई। जिसके अंतर्गत ग्वालियर के कई विद्यालयों में वहां के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साथ लेकर स्वयंसेवकों द्वारा नगर में भारी मात्रा में पौधारोपण किया गया। ग्वालियर की पहाड़ियों पर भी इस मानसून के मौसम के दौरान हजारों की संख्या में नए पौधे रोपे गए हैं। गजराराजा स्कूल, केआरजी महाविद्यालय एवं गुप्तेश्वर मंदिर की पहाड़ियों को तो पूर्णतः हरा भरा बना दिया गया है।

नगर के प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा नगर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक संगठनों, धार्मिक संगठनों, एवं नगर के विभिन्न चौराहों पर नागरिकों को शपथ दिलाई जा रही है कि मैं ग्वालियर नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु, आज से प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करूंगा। अभी तक एक लाख से अधिक नागरिकों को यह शपथ दिलाई जा चुकी है। कई स्कूल, कई मंदिर एवं कई महाविद्यालय (लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान - एलएनआईपीई सहित) पोलिथिन मुक्त हो चुके हैं। इसी प्रकार, ट्रिपल आईटीएम प्रबंधन के प्रयास से संस्थान के आसपास दुकानदारों द्वारा मादक पदार्थों के बिक्री करना बंद कर दिया गया है। साथ ही, ग्वालियर महानगर में एक लाख से अधिक नागरिक, नशा नहीं करने का संकल्प ले चुके हैं।

विभिन्न मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों में भंडारों का आयोजन किया जाता है। इन भंडारों में अब प्रसादी को दोनों, पत्तलों में परोसा जाने लगा है एवं प्लास्टिक का उपयोग लगभग बंद कर दिया गया है। साथ ही, इन मंदिरों के आसपास प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा डस्टबिन रखवाये गए हैं, ताकि कचरे को यहां वहां न फैला कर इन डस्टबीन में डाला जा सके। इससे, मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों के आसपास के इलाके स्वच्छ रहने लगे हैं। ग्वालियर महानगर के जनप्रतिनिधि विभिन्न मैरिज गार्डन में जाकर इनके मालिकों से लगातार चर्चा कर रहे हैं कि इन मैरिज गार्डन में अमानक पॉलीथिन का उपयोग बिलकुल नहीं होना चाहिए। इसका असर यह हुआ है कि अब मैरिज गार्डन में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में प्लास्टिक का उपयोग धीरे धीरे कम होता हुआ दिखाई दे रहा है।

नागरिकों को कपड़े से बने थैले भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि बाजारों से सामान खरीदते समय इन कपड़े के थैलों का इस्तेमाल किया जा सके और प्लास्टिक के उपयोग को तिलांजलि दी जा सके। प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने के उद्देश्य से गणेशोत्सव के पावन पर्व पर नगर में विभिन्न गणेश पांडालों में बच्चों द्वारा नाटक भी खेले गए। साथ ही, संघ ने अपने स्वयंसेवकों को आग्रह किया है कि संघ द्वारा आयोजित किए जाने वाले किसी भी कार्यक्रम में प्लास्टिक का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया जाना चाहिए। और, अब संघ के कार्यक्रमों में इस बात का ध्यान रखा जाने लगा है कि प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं किया जाय। ग्वालियर के नागरिकों, विविध संगठनों, सामाजिक संस्थानों एवं प्रशासन द्वारा लगातार किए गए प्रयासों के चलते ग्वालियर महानगर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत राज्य स्तरीय मिनिस्ट्रीयल अवार्ड के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार 17 जुलाई 2025 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार, सिविल अस्पताल, हजीरा, जिला ग्वालियर को स्थानीय नागरिकों को उच्च स्तर की गुणवत्ता पूर्ण संक्रमण रहित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेश से प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

जब पूरे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन आगे आकर समाज के अन्य संगठनों को साथ लेकर देश के पर्यावरण में सुधार लाने हेतु कार्य प्रारम्भ करेंगे तो भारत के पर्यावरण में निश्चित ही सुधार दृष्टिगोचर होने लगेगा। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)

डिजिटल-क्रांति से ही संभव नकली नोटों पर नियंत्रण

(धनंजय शुक्ला)

आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रूपये के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पर्दापाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था।

आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड़यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाज़ार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली

आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।

इस संकट की घड़ी में डिजिटल लेन-देन एक बड़ी राहत और समाधान बनकर उभरा है। यूपीआई, भीम मोबाइल वॉलेट्स, नेट बैंकिंग और कार्ड पेमेंट्स जैसे साधन नकली नोटों की समस्या को जड़ से समाप्त करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल लेन-देन के लाभ ही लाभ है, पूर्ण पारदर्शिता यानी हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड होता है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आती है। कर चोरी, हवाला, और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी काली प्रवृत्तियाँ समाप्त होती है। नकली मुद्रा की संभावनाओं पर विराम लगता है, जिससे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड़यंत्र एवं साजिशें नाकाम होती है। लेन-देन सेकंडों में पूरा होता है और उनमें सरलता भी रहती है। पासवर्ड आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लेन-देन सुरक्षित रहता है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचता है, पैसा सीधे उनके खातों में पहुँचता है, बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है।

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ˜निवेश के लिए हाड़तोड़ मेहनत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन दिनों स्पेन के प्रवास पर हैं। वे वहां लगातार निवेशकों से मिल रहे हैं और राज्य के लिए आर्थकि क्षेत्र से जुड़ी क्या नवीनतम संभावनाएं हो सकती है, इसके लिए अपनी तलाश जारी रखे हुए हैं। एक तरह से उनके इस विदेश प्रवास को समीक्षा के रूप में देखें तो पिछले प्रवासों की तरह ही यह प्रवास भी विशेष है। हो सकता है कि कुछ आलोचक उनके इन सकारात्मक प्रयासों में भी कमियां निकालने का प्रयास करें, किंतु इससे सच नहीं बदलनेवाला, और सत्य यही है कि पिछले अल्प समय के अपने कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेश क्षेत्र में भी एक नई लकीर खींचने में सफल रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। तब से अब तक उन्हें इस पद पर रहते हुए एक साल सात माह बीत चुके हैं। यानी कुल 19 माह के इनके कार्यकाल के दौरान राज्य ने निवेश के क्षेत्र में बहुत कुछ पाया है। यह डॉ. मोहन यादव के ही प्रयास हैं जो आज इंदौर-खंडवा रेल कॉरिडोर को एनओसी मिल चुकी है, जिससे लॉजिस्टिक्स और उद्योगों को गति मिलेगी। रियल एस्टेट में बुनियादी सुविधाओं (जल, बिजली, परिवहन) की गारंटी दी गई है और 18 सेक्टरों के लिए निवेश-परक नीतियाँ लागू हुई हैं।

इसी कड़ी में भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2025 का परिणाम देखें तो कुल 26.61 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव सामने आए। इनमें भोपाल संभाग में अकेले 5.82 लाख करोड़, इंदौर व उज्जैन में 4.76-4.77 लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव थे। इस समिट

से लगभग 13-17 लाख तक नौकरियाँ पैदा होने की संभावना व्यक्त की गई। अब तक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के 10 संभागीय मुख्यालयों में से आठ संभागीय केंद्रों पर निवेश सम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। जिसमें कि सागर में 7,820 करोड़ के निवेश प्रस्तावों का सामने आना हुआ और अनुमान इससे 8,000 नौकरियों का है। इसी साल अप्रैल माह में जब इंदौर में मध्य प्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 आयोजित हुआ तो उसमें 2,815 करोड़ के आधारभूत प्रोजेक्ट लॉन्च की घोषणा हुई, जिसमें 1,696 करोड़ रुपए तकनीकी क्षेत्र के और 1,119.5 करोड़ गैर-टेक सेक्टर के निवेश थे। यहां कुल राशि 20,000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 75,000 नौकरियाँ सृजित होने की उम्मीद जताई गई। उज्जैन के लिए 30,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिलने के साथ 15,000 नौकरियां पैदा होने की बात सामने आई। जबलपुर में यह आंकड़ा राशि 10,570 करोड़ और रोजगार मिलने की संभावना 9,000 से अधिक लोगों के बीच देखी गई। रीवा में हुए सम्मेलन में तुरंत ही 3,200 करोड़ लगाए जाने के निवेश आंकड़े सामने आए तथा 4,000 नए रोजगार उपलब्ध हो जाने की बात उजागर हुई।

डाकुओं की भूमि के रूप में जिसका नाम देश भर में बदनाम है, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव उस चंबल-मुरैना के क्षेत्र में निवेश सम्मेलन करते हैं तो वहां भी राशि 5,110 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्रदेश सरकार को प्राप्त होते हैं और तत्काल ही 6,000 लोगों को नौकरियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है। इसी तरह से शहडोल जैसे छोटे संभागीय कंद्र को भी देख सकते हैं, जहां 2,150 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले और तुरंत ही 2,500 से अधिक लोगों को सीधा रोजगार देना तय हुआ। कुल आंकड़े इन निवेश सम्मेलनों के देखें तो सामने आया है कि निवेश प्रस्ताव लगभग 91,250 करोड़ से अधिक के और अनुमानित रोजगार लगभग 1 लाख 29 हजार 500 नौकरियों का है। इसी तरह से पंजाब (लुधियाना) में 15,606 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले, जिससे लगभग 20,000 नौकरियाँ सृजित होने की संभावना है। बेंगलुरु रोडशो में लगभग 7,935 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव, 19,000 नौकरियों की संभावित सृजन हुआ है।

वस्तुतः मप्र आज कैसे बदल रहा है, इस संबंध में अभी हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का एक वक्तव्य पढ़ने को मिला, जिसमें उन्होंने बताया कि करीब 20 साल पहले प्रदेश पानी, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा था, जबकि आज दिल्ली में मेट्रो ट्रेन चलाने के लिए बिजली की आपूर्ति कर रहा है। जल्द मध्य प्रदेश की भी %मेट्रो सिटी% की अवधारणा साकार होने जा रही है। राज्य ने अब तक लगभग 5 लाख किलोमीटर सड़कें बनाई हैं। जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब विकसित किए जा रहे हैं और प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और सागर में 582 इलेक्ट्रिक बसें चलने जा रही हैं। यहां मुख्यमंत्री यादव स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रयुक्त जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित 257 परियोजनाओं का जिक्र करते हैं। साथ ही यह भी बताते हैं कि कैसे औद्योगिक विकास के साथ-साथ मल्टीमॉडल परिवहन से लेकर झील संरक्षण और स्मार्ट कमांड सेंटर तक, हर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मप्र में काम शुरू हुआ है।

अभी का जो मुख्यमंत्री मोहन यादव का विदेश दौरा है, उसी में कई अहम अंतरराष्ट्रीय व घरेलू निवेश योजनाओं से जुड़े अनुबंध हुए हैं। उनके यूएई दौरे के दौरान मध्य प्रदेश व यूएई के बीच आर्थिक साझेदारी और व्यापार सहयोग पर सहमति बनी है। एमपी-जेआईटीओ निवेश मंच के निर्माण का समझौता हुआ, जो औद्योगिक एवं एमएसएमई निवेश के लिए स्थायी आधार तैयार करेगा। साथ ही राशि 300-500 करोड़ लॉजिस्टिक्स एवं राशि 100 करोड़ से 1,000 करोड़ रुपए तक अन्य समाज-आधारित परियोजनाओं को हरि झंडी दी गई है। चौदह जुलाई से शुरू हुई स्पेन यात्रा में ÷ढ्ठ1द्दह्ल ढ्ठ स्क्कक्ष्ठद्दह्यद्बठ्ठद्दह्य स्नश्हृद्ध÷ आयोजित हुआ, जहाँ सीएम ने राज्य की क्षमताएँ-खनिज, पर्यटन, फार्मा, टेक्नोलॉजी, कृषि, रिन्यूएबल एनर्जी के संबंध में अपने प्रभावी विचार रखे। स्पेन (मैड्रिड) में निवेशकों ने ऊर्जा, टेक्नोलॉजी, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन व टेक्सटाइल और हेल्थकेयर क्षेत्रों में निवेश करने के लिए अपनी सहमति दी है। कुल मिलाकर 50,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं, जिनसे लगभग 35,000-40,000 संभावित रोजगार सृजित होंगे। कहना होगा कि इन कदमों ने प्रदेश को भारत एवं वैश्विक स्तर पर निवेश के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है और यही वे सब आर्थिक नवाचार एवं प्रयास हैं जो आज मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बहुत बड़ा बनाते हैं। यह प्रयास सुनिश्चित करते हैं कि देश में मप्र ही वह राज्य है जोकि रोजगार उपलब्ध कराने के मामले में सबसे अव्वल है। वर्तमान में प्रदेश बेरोजगारी दर में भारत के राज्यों में शीर्ष (सबसे बेहतर) प्रदर्शन करने वाला प्रदेश है। यहां युवा बेरोजगारी दर 2.6-3.2 प्रतिशत है, जो देश में सबसे निचला स्तर है। इसलिए, बेरोजगारी के लिहाज़ से मध्य प्रदेश भारत में सबसे बेहतर स्थिति में है, और यह स्पष्ट रूप से उन चुनिंदा राज्यों में है जहाँ नौकरी का अवसर अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। निश्चित ही इसका सबसे अधिक श्रेय आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा की नीतियों को जाता है।

एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन पर बेमेतरा पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटना मे कमी लाने के उद्देश्य से आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति किया जा रहा जागरूक

मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाकर ले जाने और बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाने एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको पर पुलिस की सख्त कार्यवाही

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, श्रीमती संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटना मे कमी लाने के उद्देश्य से, यातायात सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति आमजनों को जागरूक करने जागरूकता अभियान एवं यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही लगातार की जा रही है। जिसके तहत 19 जुलाई 2025 को थाना नांदघाट 05 चालान में 05 व्यक्ति, थाना खम्हरिया 07 चालान में 07 व्यक्ति, थाना साजा 04 चालान में 04 बेमेतरा 33 चालान में 33 व्यक्ति, कुल 70 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें पीकप, माल वाहक में सवारी बैठाने, बिना हेलमेट, बिना लायसेंस, बिना सीट बेल्ट, तेज गति एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध 70 प्रकरण में 22,000/- रूपये समन शुल्क लिया गया। ज़ बेमेतरा पुलिस की अपील। बेमेतरा पुलिस आम नागरिको से अपील करता है कि यातायात नियमों का पालन करे, पीकअप, मालवाहक वाहन में सवारी न बैठाये, संयमित गति से वाहन चलाये, शराब सेवन कर वाहन न चलाये, मोटर सायकल में मोडिफाइड साइलेंसर न लगाये, अपने नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, बिना नंबर के वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें। वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करें। बेमेतरा पुलिस आपकी सहायता के लिये है, वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। नियमों का पालन नहीं करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जा रही है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ2025-26 हेतु कार्यशाला आयोजित, अऋणी किसानों को भी जोड़ने पर विशेष जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत खरीफ मौसम वर्ष 2025-26 के लिए पोर्टल में एंट्री से संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के उद्देश्य से शनिवार को शहर के टाउन हॉल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उप संचालक कृषि एम.डी. डड़सेना, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी आर.के. वारे, एस.के. श्रीनिवास सहित सभी शाखा प्रबंधक, समिति प्रबंधक, समिति ऑपरेटर, अनुविभागीय कृषि अधिकारी एवं बीमा कंपनी के संभाग व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बीमा कंपनी के संभागीय अधिकारी द्वारा बैंक एवं सीएससी ऑपरेटरों को पोर्टल संचालन के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं, किसान ऋण पोर्टल (केआरपी) पर केसीसी धारक किसानों की जानकारी अपलोड करने की प्रक्रिया एवं फसल नुकसान के स्तर की जानकारी विस्तारपूर्वक दी गई। इसके साथ ही बीमित कृषकों की सही एंट्री कैसे की जाए, इस पर भी तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उप संचालक कृषि श्री डड़सेना ने उपस्थित अधिकारियों व प्रतिनिधियों को फसल बीमा की आवश्यकता, इसके लाभ और किसानों के लिए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदाओं या फसल क्षति की स्थिति में यह योजना किसानों के लिए सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करती है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में सहकारी समितियों द्वारा किए गए कार्य सराहनीय हैं और आगे भी इसी प्रकार बेहतर कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। इस वर्ष अधिक से अधिक अऋणी किसानों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यशाला में यह भी स्पष्ट किया गया कि अऋणी किसान अब जागरूक हो रहे हैं और वे बीमा कराने के लिए स्वयं आगे आ रहे हैं। उन्हें बीमा नियमों की जानकारी देकर योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा ऐसे प्रयासों से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र किसान फसल बीमा योजना से वंचित न रहे और प्राकृतिक आपदाओं के समय उसे पर्याप्त सुरक्षा मिल सके।

शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे द्वारा सदैव अन्यय, अत्याचार, शोषण का विरोध

कांकेर/मूक पत्रिका

(भानुप्रतापपुर) सरकार द्वारा किए जा रहे जन विरोधी कार्यो के विरोध में आम जनता के साथ मिलकर जन आंदोलन किया जा रहा है। आज छत्तीसगढ़ प्रदेश में कोयला, पानी, मानव संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के बाद भी सरकार द्वारा विद्युत दर में वृद्धि की जा रही है। जबकि यही छत्तीसगढ़ की सरकार अन्य प्रदेश में बिजली देकर उन प्रदेशों से कम दर ले रही है। और छत्तीसगढ़ के बिजली उपभोक्ताओं से ज्यादा दर लेकर उन्हें बिजली दिया जा रहा है। इसके विरोध में शिवसेना द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में आंदोलन किया जा रहा है। इसी तारतम में शिवसेना द्वारा एस, डी, एम जी रही है। उसके बाद प्रदेश भानुप्रतापपुर के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को ज्ञापन सौंप कर छत्तीसगढ़ के निवासियों हेतु विद्युत दर विधि वापस लेने की मांग किया गया। क्यों कि छत्तीसगढ़ सरकार की जन विरोधी नीतियों के कारण पूरे छत्तीसगढ़ की जनता गरीबी में सरकार द्वारा विद्युत दर में वृद्धि किया जाना यह छत्तीसगढ़ के आम गरीब जनता के ऊपर कुठाराघात होगा। इसलिए छत्तीसगढ़ प्रदेश की सरकार अपना यह अलोकतांत्रिक निर्णय वापस लेते हुए छत्तीसगढ़ के आम जनता हेतु विद्युत दर वृद्धि वापस ले।

जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित

कांकेर/मूक पत्रिका

भारत सरकार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा ÷स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025÷ का आयोजन सम्पूर्ण देश में किया जा रहा है। जिसके परिपालन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की टीम के द्वारा ग्राम, ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के स्तर को बढ़ाने व स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय ÷सामूहिक श्रमदान÷ ग्राम पंचायत कोकपुर में प्रातः 8 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी, जिला पंचायत सदस्य सुश्री मृदुला भास्कर, ग्राम पंचायत कोकपुर के सरपंच सहित सहायक परियोजना अधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) जिला पंचायत कांकेर एवं जनपद पंचायत कांकेर के अधिकारी, कर्मचारी, प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल के शिक्षक गण और छात्र-छात्राओं, वाटर एड इंडिया कांकेर की टीम एवं ग्रामीणजनों की 20 उपस्थिति में सामूहिक श्रमदान किया गया।

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने रोहन घोष को बनाया मीडिया प्रतिनिधि

जगदलपुर /मूक पत्रिका

बस्तर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद महेश कश्यप ने रोहन घोष को अपना मीडिया प्रतिनिधि नियुक्त किया है। रोहन घोष पार्टी संगठन में लंबे समय से सक्रिय हैं और युवामोर्चा सहित विभिन्न स्तरों पर भाजपा की विचारधारा को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा चुके हैं। रोहन घोष पूर्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा, जगदलपुर नगर मंडल में दायित्व निभा चुके हैं और भाजपा के आनुषांगिक संगठनों में नगर से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठनात्मक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे हैं। सांसद कश्यप ने उनकी राजनीतिक समझ और मीडिया दृष्टिकोण को देखते हुए यह दायित्व सौंपा है। उन्होंने कहा कि इस नियुक्ति से जनता, मीडिया और सांसद कार्यालय के बीच संवाद और अधिक प्रभावी और पारदर्शी होगा। नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए रोहन घोष ने सांसद के प्रति आभार जताया और कहा कि वे इस जिम्मेदारी को निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उनका लक्ष्य सांसद के जनसेवा कार्यों और बस्तर की जनभावनाओं को सही ढंग से सामने लाना रहेगा। भाजपा कार्यकर्ताओं, संगठन पदाधिकारियों और सांसद कार्यालय से जुड़े सभी लोगों ने रोहन घोष को शुभकामनाएं दी हैं।

कोण्डापडगु में IED ब्लास्टः मवेशी चराने के दौरान नाबालिक घायल

बीजापुर (आशीष पदमवार)/मूक पत्रिका

जिले के भोपालपटनम ब्लॉक के ग्राम कोण्डापडगु में एक आईईडी विस्फोट में 16 वर्षीय नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना शनिवार को उस समय हुई जब किशोर जंगल में मवेशी चराने गया था। घायल किशोर की पहचान कृष्णा गोटा के रूप में हुई है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को निशाना बनाने की नीयत से जंगल में आईईडी लगाया था, जिसकी चपेट में आकर किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। विस्फोट में कृष्णा गोटा के पैर और चेहरे पर गहरी चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल जिला अस्पताल बीजापुर लाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए आम नागरिकों से अपील की है कि वे जंगल या संवेदनशील इलाकों में आवाजाही के दौरान अत्यधिक सतर्कता बरतें। साथ ही किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाना या सुरक्षाबलों के कैंप को देने की अपील की गई है।

सड़कों पर मवेशियों का कब्जा हादसे का खतरा, प्रशासन मौन

- जिले में गौठान गायब, आवारा मावेशी सड़कों पर, दुर्घटना होने की प्रबल आशंका

बेमेतरा/नारायणपुर/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत नारायणपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के सड़कों पर भारी संख्या में मवेशियों का कब्जा अब गंभीर समस्या बन चुकीहै। गांवों में जहां यह मवेशी किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं, तो वहीं गांव के मुख्य सड़कों व राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिन -रात झुंड के झुंड मवेशी डेरा जमाए बैठे रहते हैं, जिससे रोजाना आवागमन बाधित हो रहा है और दुर्घटनाएं बढ़ रही है। बारिश के मौसम में मच्छरों से बचाव के लिए यह मवेशी सड़कों पर आकर बैठ जाते हैं। वाहन गुजरने से उठने वाली हवा मच्छरों को उड़ती है। जिससे इन्हें राहत मिलती है, यही कारण है कि सैकड़ो की संख्या में मवेशी गांव की सड़कों पर बैठे देखे जा सकते हैं। जहां सड़कों पर तेज रफ्तार भारी वाहन दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं, जहां मुख्य मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोजाना एक दो मवेशी की मौत हो रही है, साथ ही वाहन चालक को जान जोखिम में डालकर मार्ग से गुजरने को मजबूर है, जिससे लोगों और पशुओं की जान भी जा चुकी है, स्थानीय निवासियों में बताया कि रात में सड़कों पर मवेशियों की वजह से गाड़ी चलाना जोखिम भरा हो गया है, कई बार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो चुकी है, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है, वहीं खेतों का मौसम शुरू होने के साथ ही किसानों की चिंता और बढ़ गई है, मवेशी खेतों में घुसकर फसलों को नष्ट कर रहे हैं जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान का डर सता रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन द्वारा अब तक इन बेसहारा मवेशियों के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। और पशुपालक भी गैर जिम्मेदारी तरीके से अपने मवेशियों को खुला छोड़देते हैं, जिससे स्थिति और भी खराब हो रही है। कई बार ऐ मवेशी आपस में लड़ते हैं और सड़क पर चल रहे वाहनों से टकरा जाते हैं। जनता प्रशासन से अपेक्षा कर रही है कि जल्द ही मवेशी को सड़के से हटाने और उनके सुरक्षित रखरखाव की ठोस व्यवस्था की जाएं, जिससे आमजन को राहत मिल सके और सड़कों हों रहें हादसों में कमी हो सकें।

माईनर एक्ट के तहत 05 व्यक्ति के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

आम जगह पर शराब पिने की सुविधा उपलब्ध कराने वाला 04 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो,प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है। जिसके तहत 19 जुलाई 2025 को थाना नवागढ एवं साजा में आम जगह पर शराब पिने की सुविधा उपलब्ध कराने का 04 प्रकरण में 04 आरोपियों 1. पोसागिल वर्मा उम्र 40 वर्ष, निवासी कवरा कांपा,थाना नवागढ, 2. तारण पाल उम्र 62 वर्ष, 3. रोशन साहू उम्र 20 वर्ष, 4. उदल राम सिन्हा उम्र 40 वर्ष, सभी निवासी मोहभट्ठा थाना साजा जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत कार्यावाही की गई हैं। इसी क्रम में 19 जुलाई 2025 को माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए थाना खम्हरिया में 02 प्रकरण में 02 व्यक्ति, चौकी खण्डसरा में 02 प्रकरण में 03 व्यक्ति के खिलाफधारा 170, 126, 135 (3) बीएनएसएस के तहत 04 प्रकरण में 05 व्यक्ति के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया गया।

शिकायत के 6 महीना बाद भी कार्रवाई नहीं, जिला प्रशासन मौन, कार्यवाही नहीं होने से अधिकारियों की मिली भगत की आशंका

सोनपुर पंचायत में 15वें वित्त की राशि का लूट, सरपंच पति की दबंगई, सचिव की मिलीभगत – लाखों की राशि डकार गए, काम शून्य

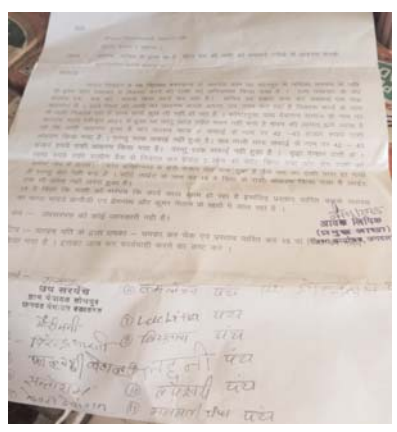

बकावंड/मूक पत्रिका

(संभाग ब्यूरो पवन कुमार नाग) - विकास के नाम पर सरकार से आने वाली करोड़ों की राशि आखिर जा कहां रही है? यह सवाल उठना लाज़िमी है। ग्रामीणों के द्वारा दिए गए शिकायत आवेदन के अनुसार विकासखंड बकावंड ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनपुर में 15वें वित्त मद की राशि का खुलेआम दुरुपयोग और भ्रष्टाचार सामने आया है। यहां महिला सरपंच के पति द्वारा पंचायत की सारी व्यवस्था पर कब्जा कर लिया गया है। उपसरपंच और पंचों को विश्वास में लिए बिना दबंगई और धमकाकर पंचायत सचिव से प्रस्ताव पारित करवाए जाता रहा चेक साइन कराएया गया हैं और लाखों की राशि विकास कार्यों के नाम पर सीधे अपनी जेब में डाला गया है।

विकास कार्य कागजों में, जमीन पर शून्य -सत्संग भवन – कोष्टागुड़ा पारा में 2021 में देवांगन समाज के लिए ?5 लाख की लागत से सत्संग भवन स्वीकृत हुआ था। राशि आहरण हो गई, पर भवन आज तक नहीं बना।तालाब और नाली सफाई – चार तालाब और चार नालियों की सफाई के नाम पर ?42,000-?43,000 की राशि अलग-अलग आहरण कर ली गई, लेकिन सफाई कहीं नहीं हुई।वृद्धा पेंशन – वृद्धजनों की पेंशन की ?1 लाख की राशि ग्रामीण बैंक से निकाली गई, जिसमें से मात्र तीन लोगों को भुगतान किया गया, बाकी रकम गायब।सीरी सेशन सेट – बनिया गांव में सीरी सेशन सेट की राशि पास हो गई, लेकिन निर्माण कार्य नदारद।स्ट्रीट लाइट – पंचायत क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट लगाने के नाम पर भी 15वें वित्त से राशि आहरण कर ली गई, लेकिन एक भी लाइट नहीं लगाई गई।

समय सीमा के बैठक में बस्तर कलेक्टर के द्वारा। निर्माण कार्य को बारिश से पहले पूर्ण करने की निर्देश विभाग दिए अधिकारियों के द्वारा शासन प्रशासन की निर्देशों का नजर अंदाज किया जा रहा है इसका ताजा उदाहरण ग्राम पंचायत सोनपुर जनपद पंचायत विभाग के जिम्मेदार बाबू लोगों के द्वारा पंचायत को खुली छूट कमीशन के लिए क्योंकि सब इंजीनियर के द्वारा मूल्यांकन के आधार पर निर्माण कार्य को पंचायत को राशि दी जाती है पंचायत के प्रतिनिधि 5 वर्ष के लिए निर्धारित रहते हैं उसके बाद बदल जाते हैं लेकिन निर्माण कार्य के लिए निकल गई राशि को निर्माण कार्य पूर्णता कागजों में विकास दिखाया जाता है

लूट की खुली पटकथा — सरपंच पति का आतंक-गांव में यह चर्चा आम है कि सरपंच पति द्वारा सचिव पर दबाव डालकर सारे कार्य करवाए जा रहे हैं। उपसरपंच और पंचों को भनक तक नहीं लगने दी जाती। अब जब कार्यकाल समाप्ति की कगार पर है, तो जल्दबाजी में मिलीभगत करके पंचायत की राशि को माधव कन्नौजिया, प्रेमनाथ और कुमार नेम के खातों में डालकर राशि गायब करने का खेल खेला जा रहा है। 07 जनवरी 2025 को जिलाधिकारी से की गई थी लिखित शिकायत, फिर भी जांच नहीं इस घोटाले की लिखित शिकायत 07/01/2025 को जिलाधिकारी बस्तर से की गई थी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से आज तक कोई जांच नहीं हुई और न ही किसी तरह की कार्रवाई। इससे यह संदेह गहराता है कि कहीं जिम्मेदार अधिकारी भी कमीशनखोरी में शामिल तो नहीं?न्याय व्यवस्था पर सवाल!आखिर कब तक ग्रामीण जनता को ठगा जाता रहेगा? पंचायत की राशि का ऐसा खुला खेल और जिम्मेदार अफसरों की चुप्पी इस बात का प्रमाण है कि सिस्टम में भ्रष्टाचार किस कदर घर कर गया है।जनता पूछ रही है – कब होगा भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई?अब जनता यह सवाल कर रही है – कहां है पंचायत राज की पारदर्शिता? कहां है न्याय व्यवस्था?

संक्षिप्त समाचार

जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के लिए पंजीयन 21 जुलाई तक

बिलासपुर। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत कौशल तिहार 2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आटोमोटिव टेक्नॉलाजी, ब्रिकलेयिंग, इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन, हेल्थ एवं सोशल केयर, प्लम्बिंग एवं हीटिंग, रिनेवेबल एनर्जी, ग्राफिक्र डिजाईन टेक्नॉलाजी, डेस्कटॉप पब्लिशिंग, फिल्ड टेक्निशियन इलेक्ट्रानिक्स, मोबाईल फोन टेक्नीशियन इलेक्ट्रानिक्स एवं रेफरिजरेशन एण्ड एयर कंडिशनिंग इत्यादि सेक्टर में जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता 21 जुलाई से 23 जुलाई 2025 तक किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री कौशल विकास एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत सत्र 2023-24 से लेकर आज तक प्रशिक्षित एवं प्रशिक्षणरत हितग्राहीपर कौशल तिहार टैब को क्लिक कर इच्छुक हितग्राही 20 जुलाई तक पंजीयन कर सकते हैं। जिला स्तर के विजेता राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे।

शासकीय आईटीआई कोटा में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन 23 जुलाई तक

बिलासपुर। शासकीय आईटीआई कोटा में प्रवेश सत्र 2025-26 एवं 2025-27 में संचालित एकवर्षीय व्यवसाय कोपा, स्टेनो (हिन्दी) तथा द्विवर्षीय व्यवसाय विद्युतकार, फिटर में प्रवेश के लिए 16 से 23 जुलाई तक पुन: आवेदन हेतु रजिस्ट्रेशन पोर्टल खुला है। प्रवेश हेतु इच्छुक आवेदक स्वयं अथवा किसी भी लोक सेवा केंद्र के माध्यम से पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

सियान चेतना एवम वृक्षा रोपणका किया गया आयोजन

बिलासपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय बिलासपुर रजनेश सिंह (भा.पु.से) के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमती अर्चना झा, एसडीओपी कोटा श्रीमती नूपुर उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी तखतपुर निरीक्षक अनिल कुमार अग्रवाल एवं समस्त थाना स्टाफद्वारा ''सामुदायिक पुलिसिंग'' अन्तर्गत चेतना अभियान' में सियान चेतना, कार्यक्रम का आयोजन आज दिनांक 17.07.2025 को किया गया जिसमें तखतपुर के वरिष्ठ नागरिक एवं सामाज सेवियों को आमंत्रित किया गया ।आगतुक वरिष्ठ नागारिकों, सामाज सेवी एवं पत्रकार बंधुओं को पौधा गमला भेंट कर स्वागत किया गया।वरिष्ठ नागरिकों के हांथो पुलिस जवान के साथ मिलकर थाना परिसर में 50-60 छांयादार पौंधों एवं वृक्षों का रोपण किया गया एवं इस अवसर पर वरिष्ठ जनों द्वारा अपना अनुभव साझा करते हुए समाज में पुलिस की उपयोगिता के बारे में संबोधन देते हुए जय-जवान, जय-सियान का नारा भी दिए।

सक्रिय बदमाशों पर पुलिस का प्रहार

बिलासपुर। पुलिस द्वारा औद्योगिक क्षेत्र सिरगिट्टी में मंगलवार देर रात एक विशेष रेड अभियान चलाया गया, जिसमें पूर्व में गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त और वर्तमान में सक्रिय बदमाशों को चिन्हित कर उनके ठिकानों पर अचानक दबिश दी गई।10 से अधिक बदमाश के घर दबिश दी गई ।कुछ बदमाश प्रवृत्ति के युवक पुलिस की दबिश की सूचना मिलते ही मौके से भाग निकले। उनकी पहचान की जा चुकी है और उन्हें शीघ्र ही उन्हें पकड़ कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से गणेश नगर, चुचुहियापारा और नयापारा क्षेत्र को केंद्रित कर यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर एक साथ दबिश देकर बदमाशों को उनके घरों से हिरासत में लिया। इस दौरान कुल 10 बदमाशों को पकड़ा गया, जिनमें से कुछ के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट लंबित थे, वहीं कुछ संदिग्ध अवस्था में रात के समय घूमते पाए गए। इसके अलावा एक युवक के विरुद्ध 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई, जबकि दो युवकों से घातक हथियार जब्त किए गए और उनके विरुद्ध ह्द्धह्य ष्ह्ल के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा यह अभियान पूर्ववर्ती आपराधिक इतिहास और वर्तमान गतिविधियों के विश्लेषण के आधार पर चलाया गया था। चिन्हित बदमाशों के खिलाफनिरंतर निगरानी रखी जा रही है।

कार्यवाही किए गए युवकों के नाम इस प्रकार हैं:

रोशन मांडवी पिता अनिल मांडवी, उम्र 22 वर्ष, महिमा नगर तिरुपति निगरानी बदमाश, जावेद खान पिता शहजाद खान, उम्र 24 वर्ष, पटाया रघुनंदन नगर तिफरा गिरफ्तारी वारंट, रोशन मांडवी पिता अनिल मांडवी, उम्र 24 वर्ष, आदर्श नगर पानी टंकी के पास गिरफ्तारी वारंट, पनदीप पिता राजू दीप, उम्र 23 वर्ष, प्रधान मोहल्ला शिव मंदिर के पास गिरफ्तारी वारंट, जवाहर बोर्ड, शिव विहार कला रोड अवैध शराब बेचना, अभिषेक कश्यप पिता पन्नालाल कश्यप, उम्र 24 वर्ष, तिफरा बाजार चौक गिरफ्तारी वारंट, मनीष कांति पिता भारत कांति, उम्र 21 वर्ष, गणेश नगर नयापारा ،ह्द्धह्य،ष्ह्ल, अभिषेक कुर्रे पिता स्व. सुशील कुर्रे, उम्र 21 वर्ष, गणेश नगर नयापारा،ह्द्धह्य،ष्ह्ल, अजीत कुशवाहा पिता जगन्नाथ कुशवाहा, उम्र 25 वर्ष, मन्नू खमरिया, थाना सीहोर, जिला जबलपुर रात में संदिग्ध अवस्था में घूमना।

भाजपा ने पत्रकार वार्ता में किया कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश

जारी किए, कोयला आबंटन और पेड़ों की कटाई के भूपेश बघेल सरकार के कई दस्तावेज

- भूपेश बघेल झूठ की फैक्ट्री, कोयला आबंटन के लिए कई पत्र लिखे ,परमिशन दिलवाई :केदार कश्यप
- भूपेश बघेल ने अपने आकाओं के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के संसाधनों को बेचा :केदार कश्यप
- भूपेश अपने भ्रटाचार को छुपाने रोज 100 झूठ बोल रहे है :केदार कश्यप

मूक पत्रिका/रायपुर। - वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने बीते रविवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आहूत संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर कांग्रेस पार्टी और भूपेश बघेल के झूठ का पर्दाफाश हो गया है। भाजपा ने पत्रकार वार्ता में तथ्यों एवं दस्तावेज प्रेजेंटेशन के माध्यम से कांग्रेस के झूठ को एक बार फिर बेनकाब किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चोरी और सीनाजोरी का उदाहरण बार-बार प्रस्तुत कर रही है। आप सबको पता होगा कि अपने शासनकाल के पाँच वर्ष में भूपेश बघेल जी ने छत्तीसगढ़ को दस जनपथ का चारागाह बना दिया था।

मंत्री कश्यप ने कहा कि शराब घोटाले, कोयला घोटाले, चावल घोटाले, गोठान घोटाले से लेकर पीएससी घोटाले तक में इसने प्रदेश के संसाधनों को जम कर लूटा था, आज इन घोटालों के आरोपी एक एक कर नप रहे हैं। सभी जेल जा रहे हैं। कश्यप ने कहा कि बेवजह जिस तरह अपराधियों के विरुद्ध हो रही कानून सम्मत कार्रवाई को कहीं और मोड़ा जा रहा है, वह दुर्भाग्यजनक और कांग्रेस में हिप्पोक्रेसी का सबसे बड़ा नमूना है।

मंत्री कश्यप ने कहा कि जब भी आप सभी कॉल ब्लॉक आवंटन और पेड़ कटाई आदि पर सवाल उठाते थे, तो दस जनपथ के दबाव में सीधे तौर पर भूपेश बघेलजी बचाव में आ जाते थे। कहते थे कि कोल ब्लॉक आवंटन का विरोध करने वाले अपने-अपने घरों की बिजली बंद कर दें। सवाल यह है कि अब जब झूठे और बेबुनियाद आरोप लगा कर भूपेशजी अपनी कालिख धोने की कोशिश कर रहे हैं, तो क्या वह अपने घर और राजीव भवन की बिजली बंद करेंगे?

मंत्री कश्यप ने कहा कि यह तथ्य है कि न केवल भूपेश बघेल ने कोल ब्लॉक अशोक गहलोत को आवंटित किया था, बल्कि उससे पहले भी मनमोहन सिंह जी की सरकार में तमाम नियमों को धत्ता बताते हुए छत्तीसगढ़ के कोल ब्लॉक आवंटन की राह आसान की थी। उन्होंने कहा कि साल 2010 में केन्द्र में कॉंग्रेस की सरकार थी, तब कोयला मंत्रालय और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा हसदेव अरण्य को पूरी तरह से नो-गो जोन घोषित किया गया था। उसे कांग्रेस नीत सरकार के पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने ही सबसे पहले गो एरिया घोषित किया था।

मंत्री कश्यप ने कहा कि 23 जून 2011 को केन्द्र में कांग्रेस की सरकार रहते ही तारा परसा ईस्ट और कांटे बेसन कोल ब्लॉक को खोलने का प्रस्ताव दिया गया। जब छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, उस वक्त अडानी को दो बड़ी खदानों गारे पेलमा सेक्टर-2 और राजस्थान में केते एक्सटेंशन ब्लॉक का ऑपरेटर बनाया गया। इसी तरह भूपेश बघेलजी के मुख्यमंत्री कार्यकाल में ही 16 अक्टूबर 2019 को राज्य सरकार ने पर्यावरण स्वीकृति के लिए सिफारिश भेजी।

मंत्री कश्यप ने कहा कि 31 मार्च 2021 को ओपन कास्ट गारे पेलमा सेक्टर-2, मांड-रायगढ़ कोलफील्ड के लिए हुआ समझौता भी सबके सामने है। इसी क्रम में 19 अप्रैल 2022 को भूपेश बघेल जी के मुख्यमंत्री रहते ही कांग्रेस सरकार द्वारा वन स्वीकृति स्टेज-1 और 23 जनवरी 2023 को वन स्वीकृति स्टेज-2 के लिए सिफारिश भेजी गई।

मंत्री कश्यप ने कहा कि महाजेंको कोल फील्ड की स्वीकृति में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संलिप्तता को लेकर तब अनेक अखबारों ने समाचार भी प्रकाशित किए थे। 25 मार्च 2022 को भूपेश सरकार ने राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार के रहते राजस्थान को कोल माइंस का आबंटन किया था।

भाजपा ने कांग्रेस से सवाल किया कि:-

- क्या वह मनमोहन सिंह सरकार के समय हुए निर्णयों के लिए आज माफ़ी मांगेंगे?

- क्या भूपेश बघेल यह घोषणा करेंगे कि अब कांग्रेस कभी बिजली का उपयोग नहीं करेगी, क्योंकि स्वयं यह कह चुके हैं कि विरोध करने वाले अपने घर की बिजली बंद कर दें।

- क्या कांग्रेस हर अपराधी के पक्ष में ऐसे ही खड़ी होगी, जैसे आज पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे के लिए हुई है?

मंत्री कश्यप ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार रही तब राजस्थान के तत्कालीन मंत्री बी डी कल्ला ने भूपेश बघेल को पत्र लिखा और राजस्थान के तत्कालिक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक सप्ताह के भीतर कई पत्र लिखे कोल ब्लॉक आंबटन के लिए। जिसे छत्तीसगढ़ और देश की जनता ने देखा है।

पत्रकार वार्ता में प्रदेश महामंत्री एवं नान अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, पूर्व विधायक एवं छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम अध्यक्ष सौरभ सिंह, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, आलोक सिंह, सोशल मीडिया संयोजक सोमेश पांडेय मौजूद रहे।

भैयाथान सीएचसी में इलाज के नाम पर मज़ाक

- सर्पदंश पीड़िता को खानापूर्ति कर किया गया रेफर, उठे गंभीर सवाल

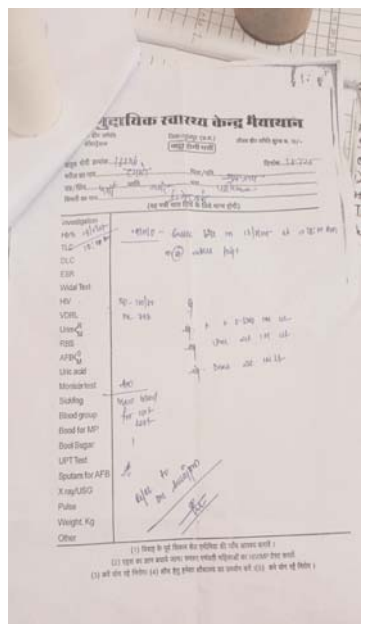

मूक पत्रिका/सूरजपुर/भैयाथान:-- जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैयाथान में इलाज के नाम पर हो रही खानापूर्ति एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। शुक्रवार को एक सर्पदंश पीड़िता महिला को बिना उचित इलाज किए सीधे रेफर कर देने का मामला सामने आया है, जिससे न सिर्फ ग्रामीणों में भारी आक्रोश है बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही भी उजागर हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 18 जुलाई की सुबह लगभग 10 बजे एक महिला सर्पदंश की हालत में भैयाथान सीएचसी पहुंची। मरीज के साथ आए परिजनों ने पर्ची बनवाकर तत्काल एमबीबीएस डॉक्टर अभिषेक नामदेव के पास महिला को दिखाया। लेकिन डॉक्टर द्वारा न तो कोई गंभीर परीक्षण किया गया और न ही प्राथमिक उपचार के रूप में आवश्यक एंटीस्नेक वेनम दिया गया, जो कि सर्पदंश के इलाज में प्रथम आवश्यकता होती है। इसके स्थान पर महिला को केवल टिटनेस, पैरासिटामोल और डेक्सोना का इंजेक्शन देकर सूरजपुर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह सीधी लापरवाही की श्रेणी में आता है, क्योंकि सर्पदंश के मामलों में रेफरल से पहले प्राथमिक जीवनरक्षक उपचार आवश्यक होता है।

डिग्रीधारी डॉक्टर, लेकिन कर्तव्यहीन रवैया ?- सरकार लगातार यह दावा करती रही है कि राज्य के प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में प्रशिक्षित और योग्य डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है और सर्पदंश जैसे मामलों में हर स्तर पर इलाज संभव है। लेकिन भैयाथान का यह मामला इन दावों की जमीनी सच्चाई को नंगा करता है।

ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर सिर्फ बैठने की औपचारिकता निभाते हैं, और गंभीर मामलों में बिना इलाज के मरीजों को रेफर कर दिया जाता है। पर्ची में लिखी गई दवाएं और उपचार देखकर यह कहना मुश्किल नहीं कि यह डॉक्टर डिग्री तो रखते हैं, पर जिम्मेदारी नहीं।

प्रशासन की चुप्पी पर भी सवाल- अब तक इस मामले में कोई जांच नहीं बैठाई गई, न ही डॉक्टर से स्पष्टीकरण लिया गया है। सवाल यह है कि जब ऐसे गंभीर मामलों में भी जवाबदेही तय नहीं होगी, तो ग्रामीणों का भरोसा सरकारी अस्पतालों से उठता नहीं तो क्या होगा?

जनता का सवाल, आखिर ज़िम्मेदार कौन ?- भैयाथान स्वास्थ्य केंद्र में हुआ यह कृत्य महज़ लापरवाही नहीं बल्कि मरीज की जान के साथ खिलवाड़ है। स्वास्थ्य विभाग, ज़िला प्रशासन और शासन को चाहिए कि इस घटना को हल्के में लेने के बजाय कड़ी कार्रवाई कर जिम्मेदारी तय करे, ताकि आगे इस तरह की घटनाएं दोहराई न जाएं।

क्या अब भी भैयाथान स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के नाम पर रेफर' की राजनीति चलती रहेगी?, क्या ग्रामीणों की जान की कोई कीमत नहीं है?, क्या सरकार सिर्फ कागज़ों पर इलाज देती है?

अवैध कच्ची महुआ शराब बिक्री करने के तीन आरोपिया जेल दाखिल

मूक पत्रिका/ सक्ती - मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर रेड कार्यवाही कर तीन अलग - अलग मामलों में अवैध कच्ची महुआ शराब बिक्री हेतु ग्राहक तलाश करती तीन आरोपिया को थाना हसौद पुलिस ने 23 लीटर शराब के साथ विधिवत गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये हसौद थाना प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र यादव ने अरविन्द तिवारी को बताया कि अवैध शराब , जुआ एवं गांजा बिक्री एवं परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु नशा मुक्ति अभियान के तहत वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिशा निर्देश दिये गये हैं। इसी तारतम्य में आज ग्राम देवरघटा मे तीन अलग - अलग जगहों में घर के सामने गली मे अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब बिक्री हेतु रखकर ग्राहक का तलाश करने की मुखबिर से सूचना मिली।? सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक महोदया सक्ती सुश्री अंकिता शर्मा (भापुसे) , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव (रापुसे.) एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सक्ती मनीष कुंवर (रापु.से.) को सूचना के बारे में अवगत कराकर कुशल दिशा निर्देशन प्राप्त होने पर रेड कार्यवाही किया गया। इस कार्यवाही में ग्राम देवरघटा में आरोपिया संतोषी बंजारे के कब्जे से 06 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 600 रूपये , फेहारा बाई के कब्जे से 09 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 900 रूपये और मालती बंजारे के कब्जे 08 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 800 रूपये यानि तीनों आरोपिया से कुल जुमला 23 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 2300 रूपये को जप्त किया गया। तीनो आरोपियों को थाना हसौद पुलिस ने अपराध क्रमांक 124/2025 , 125/2025 और 126/2025 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। उक्त कार्यवाही निरीक्षक नरेंद्र यादव थाना प्रभारी हसौद के नेतृत्व में किया गया , जिसमें प्रधान आरक्षक नंदूराम साहू , संजय शर्मा , आरक्षक घनश्याम पाण्डेय , शिवगोपाल रात्रे , महिला आरक्षक प्रतिभा मिरी , गुरबारी दिनेश का सराहनीय योगदान रहा। इसी तरह से अवैध शराब , गांजा एवं जुआ के विरूद्ध हसौद पुलिस की कार्यवाही निरंतर आगे भी जारी रहेगी।

गिरफ्तार आरोपिया -

संतोषी बंजारे पति पीताम्बर बंजारे उम्र 45 वर्ष निवासी - देवरघटा , थाना - हसौद , फेहारा बाई पति डिहीराम सतनामी उम्र 59 वर्ष निवासी - देवरघटा , थाना - हसौद और मालती बंजारे पति डेरिहा बंजारे उम्र 59 वर्ष निवासी - देवरघटा , थाना - हसौद , जिला - सक्ती (छत्तीसगढ़)।

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प में छत्तीसगढ़ की भूमिका महत्वपूर्ण— मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- रजक समाज की भूमिका सनातन परंपराओं की निरंतरता में अत्यंत महत्वपूर्ण - मुख्यमंत्री

मूक पत्रिका/रायपुर - शिक्षा ही वह साधन है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकता है और अपने सपनों को साकार कर सकता है। शिक्षा से ही रोजगार के अवसर सृजित होते हैं। व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। 卐सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास卐 हमारी सरकार का मूलमंत्र है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प में छत्तीसगढ़ की महत्त्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित है। हमने राष्ट्रीय विजन के अनुरूप छत्तीसगढ़ विजन डॉक्युमेंट भी जारी किया है, और उसके प्रत्येक बिंदु को धरातल पर उतारने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिलासपुर के सिम्स ऑडिटोरियम में आयोजित रजक युवा गाडगे सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने संत गाडगे महाराज की पूजा-अर्चना कर राज्य स्तरीय गाडगे सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने सम्मेलन में रजक समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, प्रबुद्धजनों एवं समाजसेवियों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि रजक समाज का सामाजिक समरसता और सेवा भाव हमेशा से अनुकरणीय रहा है।छत्तीसगढ़ के प्रत्येक गांव में इस समाज की उपस्थिति है, और शादी-विवाह, छठ्ठी सहित अन्य सनातन परंपराएं इनके सहयोग के बिना पूर्ण नहीं होतीं। इनके पुश्तैनी व्यवसाय के सशक्तिकरण हेतु राज्य सरकार ने रजककार विकास बोर्ड का गठन किया है, जिसके माध्यम से उन्हें किफायती दर पर ऋण सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को उन्नति के नए आयाम तक पहुँचाने के लिए राज्य सरकार पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और सुशासन की स्थापना के लिए राज्य सरकार ने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया है। आज अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन मोड में संचालित की जा रही हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार की गुंजाइश समाप्त हुई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्रत्येक गारंटी को वचनबद्धता के साथ पूर्ण कर रही है। हमने 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख महिलाओं को प्रति माह एक-एक हजार रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। तेन्दूपत्ता की खरीदी 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से की जा रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति के माध्यम से महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं दिव्यांगजनों को रोजगार एवं उद्योग स्थापित करने हेतु विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। नई उद्योग नीति से आकर्षित होकर बीते छह से आठ महीनों में लगभग साढ़े छह लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार ने युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों के अवसर सृजित किए हैं। डेढ़ वर्षों में लगभग 10 हजार सरकारी नौकरियाँ प्रदान की गई हैं। पाँच हजार शिक्षकों की भर्ती हेतु शीघ्र ही विज्ञापन जारी किया जाएगा। साथ ही, स्वरोजगार के लिए भी सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने अपने उद्बोधन के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से हमें अलग छत्तीसगढ़ राज्य मिला। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के 15 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से राज्य को भुखमरी की समस्या से मुक्ति मिली और जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार हुआ।

सम्मेलन की अध्यक्षता रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक ने की। कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध लोकगायिका श्रीमती रजनी रजक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

घरेलू क्रिकेट में वापसी को तैयार शमी

बंगाल के संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी 2025-26 घरेलू सत्र के लिए बंगाल के 50 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल किया गया है। चोट की चिंताओं के चलते शमी को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम से बाहर रखा गया था। 34 वर्षीय मोहम्मद शमी ने इंडियन प्रीमियर लीग-2025 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। इस सीजन में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व किया था, लेकिन उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। शमी भारत की ओर से मार्च 2025 में आखिरी बार खेले थे। यह चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला था। इस टूर्नामेंट में शमी ने पांच मुकाबले खेलते हुए नौ विकेट अपने नाम किए थे। वनडे वर्ल्ड कप-2023 में मोहम्मद शमी ने 24 विकेट अपने नाम किए थे। इसके बाद उन्होंने टखने की सर्जरी करवाई। हाल ही में शमी ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में सफल वापसी करते हुए रणजी ट्रॉफी में बंगाल को मध्य प्रदेश के खिलाफ 11 रन से रोमांचक जीत दिलाई। इस मैच में शमी ने 7 विकेट लेने के अलावा बल्ले से 37 रन भी बनाए। 34 वर्षीय शमी ने 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए सीमित ओवरों के चार मुकाबले खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल वापसी की। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने शमी के पूरी तरह से फिट नहीं होने की जानकारी देते हुए उन्हें एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए टीम में नहीं चुना। शमी आखिरी बार जून 2023 में टेस्ट फॉर्मेट खेले थे। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मैच था। इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम का ऐलान करते हुए अगरकर ने खुलासा किया था कि शमी की फिटनेस संबंधी समस्याओं और टेस्ट मैच में वर्कलोड मैनेजमेंट की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए शमी का चयन नहीं हो पाया।

बंगाल ने जिन 50 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की, उसमें अभिमन्यु ईश्वरन, आकाश दीप, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद और अभिषेक पोरेल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

आंद्रे रसेल का इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा

2016 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल को बताया सबसे गर्व का पल

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने ऐलान किया है कि वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 और 22 जुलाई को होने वाले दो टी20 मैचों के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। यह दोनों मैच जमैका के सबीना पार्क में खेले जाएंगे, जो रसेल का घरेलू मैदान है। रसेल ने वेस्टइंडीज के लिए 141 मैच खेले और अपनी सबसे यादगार पारी 2016 टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ मुंबई में खेली। उस मैच में भारत ने 193 रन बनाए थे। रसेल जब नंबर 5 पर बल्लेबाजी के लिए आए, तब वेस्टइंडीज को 41 गेंदों में 77 रन की जरूरत थी। रसेल ने नाबाद 43 रन सिर्फ 20 गेंदों में बनाए और आखिरी ओवर में विराट कोहली की गेंद पर छक्का मारकर वेस्टइंडीज को जीत दिलाई।रसेल ने वेस्टइंडीज क्रिकेट को दिए इंटरव्यू में कहा,2016 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल मेरी जिंदगी का सबसे गर्व भरा पल था। उस समय भारत का पूरा स्टेडियम अपनी टीम को सपोर्ट कर रहा था, जिससे थोड़ा दबाव था। लेकिन पिच अच्छी थी और ड्रेसिंग रूम में हमें आत्मविश्वास था। इसी भरोसे ने मुझे खुलकर खेलने की आजादी दी।

लगाया जुर्माना तो बिफरीं ये क्रिकेटर, कहा- हंगामा करना ठीक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने एक्शन लेते हुए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया. प्रतिका की इंग्लिश खिलाड़ियों लॉरेन फाइलर और सोफी एक्लेस्टोन से टक्कर हो गई, जिसके चलते आईसीसी ने ये एक्शन लिया. प्रतिका के खाते में आईसीसी ने एक डिमेरिट अंक भी जोड़े हैं. अब प्रतिका रावल ने इस पूरे मामले पर सफाई दी है. प्रतिका ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका कंधा अनजाने में इंग्लिश खिलाड़ियों से टकराया था और वह केवल अपनी लाइन में दौड़ रही थीं. इसे लेकर हंगामा करना ठीक नहीं है. रावल ने कहा, यह बिल्कुल भी जानबूझकर नहीं था. मैं सिर्फ अपनी दिशा में दौड़ रही थी और यह टकराव बस हो गया. इस पर ज्यादा प्रतिक्रिया देने या हंगामा करने की जरूरत नहीं है. इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में भारतीय पारी के 18वें और 19वें ओवर में ये वाकया हुआ. 18वें ओवर में प्रतिका रावल रन लेते वक्त इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर से टकरा गई. वहीं 19वें ओवर में सोफी एक्लेस्टोन की गेंद पर आउट होने के बाद उनकी गेंदबाज से बहस हुई और इस दौरान कंधा भी टकराया.

त्रिकोणीय टी20 सीरीज

कॉन्वे के नाबाद 59 रनों की बदौलत न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को 8 विकेट से हराया

हरारे, एजेंसी। त्रिकोणीय टी20 सीरीज में मेजबान जिम्बाब्वे को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद जिम्बाब्वे को शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए।जिम्बाब्वे के लिए सर्वाधिक 36 वेस्ले मेधवेरे ने बनाए। ब्रायन बेनेट ने 21, सिकंदर रजा और रेयान बर्ल ने 12-12 और टोनी मुनयोंगा ने 13 रन बनाए। बल्लेबाज शुरुआत मिलने के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और यही वजह रही कि टीम 121 रन का मामूली लक्ष्य न्यूजीलैंड के सामने रख पाई। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने एक बार फिर घातक गेंदबाजी की। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा एडम मिल्ने, मिशेल सेंटनर, माइकल ब्रेसवेल और रचिन रवींद्र को 1-1 विकेट मिला। न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में 2 विकेट पर 122 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। कीवी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने टिम सिफर्ट के रूप में 5 के स्कोर पर अपना पहला विकेट खो दिया। दूसरे विकेट के लिए डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र ने 59 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 64 था, उस समय रवींद्र 19 गेंद पर 4 छक्के और 1 चौके लगाते हुए 30 रन बनाकर आउट हुए। कॉनवे ने इसके बाद डेरिल मिचेल के साथ 58 रन जोड़ते हुए टीम को 8 रन से जीत दिला दी। कॉनवे 40 गेंद पर 2 छक्के और 4 चौके की मदद से 59 रन और मिचेल 19 गेंद पर 1 छक्का और 1 चौके की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे। कॉन्वे को उनकी 59 रन की नाबाद पारी के लिए मैच का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

ऋतुराज ने यॉर्कशायर के साथ चैंपियनशिप करार से नाम वापस लिया

लीड्स, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ व्यक्तिगत कारणों के चलते इस सीजन यॉर्कशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप नहीं खेलेंगे। गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ पांच मुकाबलों के लिए डील की थी। काउंटी चैंपियनशिप की शुरुआत 22 जुलाई से होने जा रही है। यॉर्कशायर की टीम अपना पहला मैच सरे के खिलाफ खेलेगी।

यॉर्कशायर के हेड कोच एंथनी मैकग्राथ ने बताया कि काउंटी टीम ऋतुराज गायकवाड़ के विकल्प पर विचार कर रही है। एंथनी मैकग्राथ ने कहा, दुर्भाग्य से गायकवाड़ व्यक्तिगत कारणों के चलते अभी टीम से नहीं जुड़ रहे हैं। वह स्कारबोरो या बाकी सीजन में टीम के लिए नहीं खेल पाएंगे। यह निराशाजनक है। मैं आपको इसके कारणों के बारे में कुछ नहीं बता सकता, लेकिन हमें उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा।

सीनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए 40 खिलाड़ी चयनित, हॉकी इंडिया ने की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों को इसमें भी मौका दिया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, यह शिविर काफी अहम समय पर लगाया जा रहा है। हॉकी इंडिया ने यहां 21 जुलाई से 29 अगस्त तक भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) पर होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिये 40 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। पांच सितंबर से चीन के हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप को देखते हुए यह शिविर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है । यह टूर्नामेंट 2026 एफआईएच महिला विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का भी जरिया होगा ।

पिछले शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों को इसमें भी मौका दिया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, यह शिविर काफी अहम समय पर लगाया जा रहा है । एशिया कप प्रतिष्ठित टूर्नामेंट होने के साथ विश्व कप 2026 में सीधे जगह बनाने का जरिया भी है । हमारा पूरा फोकस मानसिक और शारीरिक रूप से खुद को तैयार करने पर होगा। उन्होंने कहा, हमने प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखने के लिये पिछले शिविर के कोर ग्रुप को बरकरार रखा है । यूरोप में प्रो लीग में हमें मनचाहे नतीजे नहीं मिले लेकिन इस शिविर से हमे आत्ममंथन करके मजबूती से वापसी का मौका मिलेगा। भारतीय सीनियर कोर ग्रुप की सूची इस प्रकार है।

गोलकीपर: सविता, बिछू देवी खारीबम, बांसरी सोलंकी, माधुरी किंडो, समीक्षा सक्सेना।

डिफेंडर: महिमा चौधरी, निक्की प्रधान, सुशीला चानू, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति छत्री, ज्योति, अक्षता ढेकाले, अंजना डुंगडुंग, सुमन देवी।

मिडफील्डर: सुजाता कुजूर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, सलीमा टेटे, मनीषा चौहान, अजमीना कुजूर, सुनेलिटा टोप्पो, लालरेम्सियामी, शर्मिला देवी, बलजीत कौर, महिमा टेटे, अलबेला रानी टोप्पो, पूजा यादव।

फॉरवर्ड: दिपिमोनिका टोप्पो, रितिका सिंह, दीपिका सोरेंग, नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, रूतुजा पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, अन्नु, चंदना जगदीश, काजल अत्पडकर।

डब्ल्यूसीएल 2025

इंडिया-पाक मैच से पहले मचा बवाल; युवराज, रैना, धवनपर भड़के फैंस

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 की शुरुआत 18 जुलाई से हो चुकी है और इसमें इंडिया चैंपियंस टीम भी हिस्सा ले रही है। इस सीजन में एक बार फिर से युवराज सिंह की कप्तानी में ये टीम अपने खिताब को डिफेंड करने उतरेगी। इंडिया ने इस लीग के

पहले सीजन में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। अब इस सीजन में इंडिया का पहला मैच पाकिस्तान के साथ 20 जुलाई को होना है, लेकिन इससे पहले बवाल मच गया है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले इंडिया चैंपियंस के लिए खेल रहे खिलाड़ियों पर क्रिकेट फैंस बुरी तरह से भड़क गए हैं और सोशल मीडिया पर इन खिलाड़ियों को जमकर ट्रोल किया जा रहा है।दरअसल कुछ दिनों पहले पहलगाम हमले में 26 भारतीय नागरिकों की हत्या कर दी गई थी और उसके बाद भारत-पाकिस्तान संबंध में और तनाव पैदा हो गया था। भारत ने इस घटना के बाद कई कड़े कदम उठाए

एशिया कप 2025 पर गहराया संकट

बीसीसीआई ने कहा- टीम इंडिया नहीं लेगी हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 को लेकर संकट के बादल गहराने लगे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशियन क्रिकेट काउंसिल की 24 जुलाई को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में प्रस्तावित सालाना बैठक को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि अगर बैठक का स्थान नहीं बदला गया, तो वह बैठक में लिए गए किसी भी फैसले को स्वीकार नहीं करेगा। सूत्रों के मुताबिक, बीसीसीआई ने बांग्लादेश में मौजूदा हालात और वहां बढ़ते राजनीतिक तनाव को देखते हुए पहले ही एसीसी से बैठक का स्थान बदलने की मांग की थी। हालांकि, एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। बता दें कि मोहसिन नकवी फिलहाल पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष होने के साथ-साथ एसीसी के भी अध्यक्ष हैं। बीसीसीआई से जुड़े सूत्रों का कहना है कि एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमने ढाका में मौजूदा हालात को देखते हुए समय रहते बैठक का स्थान बदलने की अपील की थी। लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। ऐसे में अगर एसीसी ढाका में बैठक आयोजित करता है, तो बीसीसीआई उस बैठक में लिए गए किसी भी फैसले को नहीं मानेगा।

कोई ऑस्ट्रेलिया से, कोई भारत से... इन 11 खिलाड़ियों के दम पर इटली ने पाया टी20 वर्ल्ड कप टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। इटली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले साल होने वाले मेन्स टी20 वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर ली थी. इटली की टीम ने पहली पार किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया, ऐसे में ये उसके लिए ऐतिहासिक पल रहा. इटली ने टी20 वर्ल्ड कप यूरोप क्वालिफायर 2025 में दूसरा स्थान हासिल करके ये उपलब्धि हासिल की. अब इतालवी खिलाड़ी भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपना जलवा बिखेरेंगे. इटली में फुटबॉल काफी लोकप्रिय है, हालांकि पिछले दो स्नद्धद्म वर्ल्ड कप के लिए इटली की फुटबॉल टीम क्वालिफाई नहीं कर पाई. वहीं 2026 के वर्ल्ड कप में भी इटली की फुटबॉल टीम का भाग लेना तय नहीं है. फुटबॉल टीम क्वालिफाई करे या ना करे. लेकिन क्रिकेट टीम ने जरूर टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है.

इटली को टी20 वर्ल्ड कप टिकट दिलाने में बाहरी खिलाड़ियों का अहम रोल रहा है. नीदरलैंड्स के

खिलाफ मैच में जिन 11 खिलाड़ियों ने भाग लिया, उसमें से 5 का ताल्लुक ऑस्ट्रेलिया से था. वहीं दो खिलाड़ी एशियाई मूल थे. जबकि दो खिलाड़ियों का संबंध ब्रिटेन से भी है. जबकि 2 प्लेयर इतालवी मूल के थे.

1. **थॉमस ड्रेका:** सिडनी में जन्मे थॉमस ड्रेका ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मेगा ऑक्शन के लिए अपना नाम रजिस्टर कराया था, जिसके चलते वो सुर्खियों में आए थे. ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेनिस लिली इस खिलाड़ी के अंकल माने जाते हैं. ड्रेका की मां इतालवी मूल की हैं और उनका ताल्लुक नेपल्स के पास के एक गांव से है. इसी कारण ड्रेका को इटली के लिए खेलने का मौका मिला.
2. **जो बर्न्स:** इस खिलाड़ी के नाम से तो फैन्स अच्छी तरह वाकिफ होंगे. बर्न्स ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 23 टेस्ट और 6 वनडे मुकाबले खेले. साल 2024 में अपने बड़े भाई डोमिनिक के निधन के बाद उन्होंने इटली के लिए खेलने का निर्णय लिया. बर्न्स के नाना-नानी कैलाब्रिया से थे, जिसके चलते उन्हें इटली के लिए खेल पाने में आसानी हुई.
3. **हैरी जॉन मैनेंट:** बिग बैश लीग में हैरी मैनेंटी एडिलेड स्ट्राइकर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं. हैरी इटली के ऐसे पहले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने किसी टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 5 विकेट झटके. ऑस्ट्रेलिया में जन्मे हैरी की क्रिकेट जर्नी ग्रासरूट लेवल से शुरू हुई थी. ऑलराउंड प्रदर्शन के चलते हैरी टी20 वर्ल्ड कप यूरोप क्वालिफायर में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे.
4. **बेन मैनेंटी:** हैरी मैनेंटी के बड़े भाई बेन भी इटली के लिए खेलते हैं. ऑफ स्पिन गेंदबाज बेन ऑस्ट्रेलिया में सिडनी सिक्सर्स और तस्मानिया के लिए खेल चुके हैं. हैरी और बेन की दादी इतालवी मूल की थी. इसी चलते दोनों भाइयों को इटली के लिए खेलने का अवसर मिल गया.
5. **ग्रांट स्टीवर्ट:** ऑस्ट्रेलिया में जन्मे ग्रांट स्टीवर्ट की मां इटालियन हैं, जिसके कारण वो इटली की टीम में शामिल हुए. स्टीवर्ट ने साल 2017 में केंट के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया. स्टीवर्ट फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 2000 से ज्यादा रन बना चुके हैं, साथ ही उन्होंने 100 से ज्यादा विकेट भी चटकाए हैं.
6. **एमिलियो गे:** 25 साल के एमिलियो का जन्म इंग्लैंड के ब्रेडफोर्ड में हुआ था. बाएं हाथ के बल्लेबाज एमिलियो की मां इतालवी हैं, जिसके चलते उन्हें इटली के लिए खेलने में आसानी हुई है. एमिलियो ने हाल ही में इंग्लैंड लॉयन्स की ओर से भारत-ए के खिलाफ दो फर्स्ट क्लास मुकाबले खेले थे. उसके कुछ दिनों बाद ही उनकी इतालवी टीम में एंट्री हुई.

हरियर मुंगेली-सुघ्घर मुंगेली अभियान के दूसरे चरण में 26 पौधों का रोपण, स्टार्स ऑफटुमॉरो द्वारा संचालित यह अभियान सतत प्रेरणा का स्रोत बनकर नगर को हरित दिशा में आगे बढ़ा रहा

मुंगेली /मूक पत्रिका

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लगातार समर्पित स्टार्स ऑफटुमॉरो वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित ÷हरियर मुंगेलीङ्कसुघ्घर मुंगेली÷ अभियान के दूसरे चरण में आज पड़ाव चौक से बी.आर. साव स्कूल तक तथा समन्वय संगीत एवं कला महाविद्यालय परिसर में नीम, बादाम, कदम और मौलश्री जैसे छायादार वृक्षों के कुल 26 पौधों का रोपण कर उन्हें ट्री गार्ड से संरक्षित किया गया। इस प्रयास ने एक बार फिर नगरवासियों को हरियाली की दिशा में प्रेरित किया। संस्था के सह-संयोजक रामशरण यादव ने इस अवसर पर कहा कि हमारा उद्देश्य केवल पौधरोपण नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और परिपक्वता तक देखभाल करना है। हमारा फोकस क्वांटिटी से ज्यादा क्वालिटी पर है। आज गर्व से कह सकते हैं कि हमारे द्वारा लगाए गए 95त्न पौधे वृक्ष बन चुके हैं, जो इस अभियान की सफलता और हमारी निष्ठा के प्रमाण हैं। संस्था के कोषाध्यक्ष धनराज परिहार ने कहा मौसम चक्र में तेजी से आ रहे बदलावों को देखते हुए अब समय आ गया है कि हर नागरिक पर्यावरण की रक्षा में अपनी जिम्मेदारी निभाए। वृक्ष न केवल जीवन का आधार हैं, बल्कि संतुलित पर्यावरण के संरक्षक भी। कार्यक्रम के विशेष क्षण में संस्था के समर्पित सदस्यों गोखलेश सिंह, देवशंकर श्रीवास्तव, विकास जैन, पप्पू शर्मा व संतोष जांगड़े के जन्मदिवस के अवसर पर केक काटा गया और पौधा रोपण कर उसे विशेष रूप से यादगार बनाया गया। इस अवसर पर अभियान के टीम प्रभारी मुकेश पांडेय ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ अथवा किसी भी खास दिन को वृक्षारोपण जैसे पुनीत कार्य से यादगार बनाएं और इस अभियान से जुड़कर हरियाली की दिशा में एक जिम्मेदार कदम बढ़ाएं। इस अवसर पर नगर के पर्यावरण प्रेमी राजेंद्र चंद्रवंशी, प्रभाकर सिंह, अरविंद रूपवानी, धनेश्वर साहू, प्रद्युम सिंह, आदर्श गुप्ता, आयुष केशरवानी, प्रियांक गुप्ता स्टार्स ऑफटुमॉरो के संयोजक रामपाल सिंह, सह संयोजक रामशरण यादव, अध्यक्ष महावीर सिंह, सचिव विनोद यादव, कोषाध्यक्ष धनराज परिहार, सतपाल मक्कड़, दिनेश गोयल, गोखलेश सिंह, विकास जैन, देवशंकर श्रीवास्तव, देवेंद्र परिहार, आशीष सोनी, दीपक जैन, श्रेणिक पारख, अनुराग सिंह, रणवीर सिंह, मुकेश पांडेय, गिरीश सुथार, कोमल चौबे, रघुराज सिंह, पप्पू शर्मा, धीरज जैन, अंकित सिंह, अजय चंद्राकर, आर्या सिंह, श्रेयांश बैद, संदीप सिंह, वैभव ताम्रकार, चित्रकान्त सिंह, देवेंद्र सिंह, वासु पांडेय, दिलबाग सिंह, ओम सिंह, अमित साहू, परमेश्वर देवांगन, संतोष जांगड़े, सुरेश यादव, सुमित उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी व सदस्यगण उपस्थित रहे।

ई.डी. के दुरुपयोग एवं कांग्रेस नेताओं पर की जा रही द्वेषपूर्ण कार्यवाही के खिलाफशहर जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर का धरना प्रदर्शन

रायपुर/मूक पत्रिका

केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। यह कार्यवाही पूरी तरह से राजनीतिक विद्वेष से प्रेरित है। इसी के विरोध में बीते रविवार को शहर जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर द्वारा दो दिवसीय धरना प्रदर्शन की शुरुआत की गई।प्रदर्शन का आयोजन राजीव गांधी चौक, रायपुर के सामने किया गया, जो सुबह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक चला। इस धरना प्रदर्शन में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और केंद्र सरकार के तानाशाही रवैये के खिलाफ नारेबाजी की। धरना में पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार के खिलाफ जमकर बरसे सभी नेताओं ने एकजूट हो कर कहां की लोकतंत्र में जांच एजेंसियों का स्वतंत्र होना जरूरी है,परंतु भाजपा सरकार इन संस्थाओं को अपने राजनीतिक विरोधियों को कुचलने के लिए औजार की तरह इस्तेमाल कर रही है, जो कि संविधान और लोकतंत्र दोनों के खिलाफ है। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गिरिश दुबे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस तानाशाही और ईडी जैसी संस्थाओं के दुरुपयोग के खिलाफ देशभर में आवाज बुलंद करती रहेगी।कल दूसरा दिन होगा, जिसमें और अधिक संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे तथा यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक लोकतंत्र की आवाज को दबाने की कोशिशें बंद नहीं की जाती। इस धरना प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी गिरीश देवांगन शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे प्रमोद दुबे पंकज शर्मा मदन तालेडा सुशील आनंद शुक्ला प्रमोद चौबे कुलदीप जुनेजा ऐजाज ढेबर श्रीकुमार मेमन सुरेश ठाकुर आकाश शर्मा नीरज पाण्डे दिनेश ठाकुर प्रशांत ठेंगड़ी नवीन चंद्राकर देवकुमार साहू जी श्रीनिवास शिव सिह ठाकुर अजय साहू धनंजय ठाकुर सतनाम पनाग आकाश तिवारी बंशी कन्नौजे विनोद कश्यप ममता राय गंगा यादव अमित शर्मा माधव छुरा अविनय दुबे बाकर अब्बास कमलेश नथवानी पुष्पराज वैध सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दोंदेखुर्द के संघर्ष समिति व महिला समूह ने विधायक अनुज को दिया दिल से धन्यवाद

गांव में नहीं खुलेगी शराब दुकान,अवैध शराब बिक्री रोकना ग्रामीणों कि ज़िम्मेदारी-अनुज

धरसींवा/मूक पत्रिका

विधानसभा के ग्राम दोंदेखुर्द के ग्रामीणों ने कुछ दिनों पहले विधायक निवास पहुँच कर नवीन शराब दुकान नहीं खोले जाने के लिए विधायक अनुज शर्मा को ज्ञापन सौंपा था जिसमे ग्रामीणों कि मांग पर पहल करते हुए विधायक ने दोंदेखुर्द में शराब दुकान ना खोलने का आबकारी विभाग को आदेश दिया7 ग्रामीणों कि मांग पूरी होने पर पूरे गांव में खुशी का माहौल रहा,संघर्ष समिति व महिला समूह ने विधायक का आभार व्यक्त करने के लिए आज आभार सम्मेलन कार्यक्रम रखा जिसमे विधायक अनुज शर्मा उपस्थित रहे. इस अवसर पर विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने ग्रामीणों कि समस्याओं को सुनते हुए कहा कि गांव कि जनता को परेशान होने की ज़रूरत नहीं हैं,मैं सभी ग्रामवासियों के साथ हमेशा हूं, माताओं-बहनों की इस भावना को मैंने सरकार के समक्ष रखा जिसके पश्चात अभी खुलने वाली दुकान पर रोक लगा दी गई है,मैंने जो कहा सो किया दोंदेखुर्द में नवीन शराब दुकान नहीं खुलेगी परंतु आप सभी ग्रामीणों कों एक जिम्मेदारी लेनी होगी कि वे गांव में अवैध शराब बिकने ना दे क्योंकि आसपास शराब दुकान ना होने की वजह से गांवों में शराब कोचियों द्वारा अवैध शराब बिक्री बढ़ जाती हैं। ग्रामीणों नें खुशी जाहिर करते हुए अनुज शर्मा ज़िंदाबाद का नारा लगाते हुए विधायक अनुज का आभार व्यक्त किया। आज के इस कार्यकर्म में विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा, सूरज टंडन, कमल भारती, सहित संघर्ष समिति व महिला समूह के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सांसद बघेल ने मां गोदावरी वृद्धा आश्रम में वृद्धजनों से आत्मीयता मुलाकात की, उनके हालचाल जाने और अपने हाथों से उन्हें प्रेमपूर्वक परोसा भोजन

बेमेतरा/देवकर/मूक पत्रिका

ग्राम गोमची (नंदनवन के पास) स्थित मां गोदावरी आनंद वृद्धाश्रम में सेवा का अनुपम उदाहरण देखने को मिला, जहां सांसद विजय बघेल अपनी धर्मपत्नी श्रीमती रजनी बघेल के साथ पहुंचे। वृद्धजनों से आत्मीयता से मुलाकात की, उनके हालचाल जाने और अपने हाथों से उन्हें प्रेमपूर्वक भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर भोजन भी किया। यह वृद्धाश्रम गोदावरी सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित है, जिसकी संचालिका कल्पना योगेश तिवारी जी हैं। आश्रम में गोदावरी सेवा टर्स्ट और हीरा सीएसआर फाउंडेशन के सहयोग से निःशुल्क आवास, भोजन, दवाई, वस्त्र आदि की संपूर्ण व्यवस्था की जाती है। वर्तमान में यहाँ 35 महिलाएं और 42 पुरुष निवासरत हैं, जिनकी सेवा के लिए 35 कर्मचारी 24 घंटे समर्पित रहते हैं। किसी भी आपात स्थिति में सियस हॉस्पिटल, रायपुर में निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध है। यहां सिर्फ छत्तीसगढ़ से ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों से भी वृद्धजन रहते हैं। उनके मनोरंजन हेतु हर कमरे में टीवी और खेल सामग्री की भी व्यवस्था है। सांसद बघेल से मिलकर वृद्धजनों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। कुछ ने भावुक होकर अपनी व्यथा सुनाई—÷कभी हमारा भी परिवार था, अच्छे दिन थे, पर आज अपने ही बच्चों ने ठुकरा दिया।÷ उन्होंने वृद्धाश्रम को ही अब अपना घर मान लिया है। कल्पना योगेश तिवारी ने अपने माता-पिता की स्मृति में वृद्धाश्रम की शुरुआत की है डॉ खुबचंद बघेल जी की 125 वी जयंती के अवसर पर सांसद विजय बघेल उनकी धर्मपत्नी रजनी बघेल ने वृद्धा आश्रम में भोजन की व्यवस्था की है .विजय बघेल ने भावुक होकर कहा, ÷मैं आप सबका बेटा बनकर हमेशा आपसे मिलने आता रहूंगा। आप अकेले नहीं हैं। उन्होंने बुजुर्गों के आंसू पोंछकर उनके दिल में अपनत्व और सम्मान का भाव फिर से जगाया। यह आयोजन न सिर्फ सेवा की मिसाल बना, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की सुंदर तस्वीर भी प्रस्तुत की।

22 जुलाई को जिला कांग्रेस कमेटी करेगी चक्का जाम और विद्युत मंडल कार्यालय का घेराव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा केंद्र की भाजपा तथा राज्य की भाजपा सरकार द्वारा दबाव पूर्वक छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल को दुर्भावना पूर्वक प्रवर्तन निदेशालय ई डी के द्वारा गिरफ्तार करने का विरोध करने के लिए 22 जुलाई 2025 दोपहर 12:00 से 2:00 बजे तक बेमेतरा कवर्धा बाईपास ग्राम चोर भट्टी के पास चक्का जाम करेगी जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आवश्यक रूप से उपस्थित रहने के निर्देश जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा दिए गए हैं साथ ही साथ आम जनता से अपील की गई है कि भाजपा सरकार के द्वारा दुर्भावना पूर्वक विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए जो एजेंसियों का सहारा लिया जा रहा है इसका विरोध करने के लिए चक्का जाम में शामिल हो तथा अपना सहयोग प्रदान करें साथ ही साथ छत्तीसगढ़ राज्य में विद्युत टैरिफका भाजपा सरकार आने के बाद चौथी बार वृद्धि किए जाने एवं घरों में अनाप-शनाप बिजली बिल दिए जाने के विरोध में बेमेतरा कार्यपालन अधिकारी विद्युत संभाग के कार्यालय के घेराव जो 22 जुलाई को दोपहर 2:00 बजे से किया जाएगा मैं उपस्थित होने की अपील कांग्रेस कार्यकर्ता एवं आम जनता से की गई है।

रामधुनि संग परिक्रमा में उमड़ा ग्राम्य उत्साह, वर्षा की कामना के साथ डॉ. सौरभ निर्वाणी ने किया ग्राम जाता में रामायण पूजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

धर्म संस्कृति और सनातन परंपराओं के संरक्षण में सदैव सक्रिय धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरभ निर्वाणी ने ग्राम पंचायत जाता में ग्रामीणों के साथ पारंपरिक रामधुनि कीर्तन और रामायण पूजन में सहभागिता कर परिक्रमा की। ग्रामवासियों की दृढ़ मान्यता है कि रामधुनि कीर्तन और परिक्रमा करने से वर्षा अनुकूल होती है, सूखा संकट नहीं आता और समाज में सुख-शांति का संचार होता है। डॉ. निर्वाणी ने परिक्रमा करते हुए श्रीराम के दिव्य नाम का संकीर्तन किया जिससे युवाओं में विशेष उत्साह और ऊर्जा का संचार देखने को मिला। इस रामधुनि परिक्रमा संकीर्तन में विशेष रूप से अजय चंद्राकर, वीरेंद्र चंद्राकर, योगेश चंद्राकर, थानू चंद्राकर, पन्ना चंद्राकर, दुगेश्वर साहू, अजय विश्वकर्मा, ओमप्रकाश निर्मलकर, बसंत चंद्राकर, मूलचंद चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। रामायण पूजन उपरांत पूरे ग्राम में महिलाओं और युवाओं में भक्ति और संस्कार का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। डॉ. सौरभ निर्वाणी ने इस अवसर पर कहा:÷ग्रामों में सनातनी परंपरा के जागरण से ही जीवन में सुख-शांति और प्रकृति में संतुलन संभव है। जहाँ श्रीराम का संकीर्तन होता है, वहाँ दुख-दारिद्रय मिटता है और समृद्धि का मार्ग खुलता है। ग्रामवासियों ने डॉ. निर्वाणी का अभिनंदन करते हुए भविष्य में भी इस तरह के धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों को और व्यापक रूप से आयोजित करने का संकल्प लेते हुए आते रहने का निमंत्रण दिया।

जिला कांग्रेस कमेटी ने स्वामी आत्मानंद स्मृति संविदा शिक्षक संघ के हड़ताल को दिया समर्थन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा ने छत्तीसगढ़ व्यापी स्वामी आत्मानंद स्मृति संविदा शिक्षक संघ के द्वारा किए जा रहे हैं हड़ताल को अपना समर्थन दिया है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा है कि जब भाजपा सरकार सत्तासीन हुई तो शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने स्वामी आत्मानंद स्मृति विद्यालयों के प्रबंध समिति जो कलेक्टर के अध्यक्षता में हुआ करती थी को भंग करते हुए उसे शिक्षा विभाग में मिलने का निर्णय लिया और जब यह निर्णय लिया गया है तो उन्हें शासकीय सेवकों के समान सुविधा भी दी जानी चाहिए पूर्व में जब कांग्रेस सरकार ने इन स्कूलों को प्रारंभ किया तो इन स्कूलों के शिक्षकों के वेतन भत्ते सभी चीजों का इंतजाम प्रबंधन समिति के माध्यम से किया था प्रदेश में कांग्रेस सरकार के रहते इन स्कूल में कार्यरत शिक्षक एवं कर्मचारियों को कभी कोई शिकायत नहीं हुई किंतु जब से भाजपा सत्ता में आई है तब से इन स्कूलों को बंद करने का षड्यंत्र किया जा रहा है इन स्कूलों को धनराशि उपलब्ध नहीं कराई जा रही है ना ही शिक्षा विभाग के माध्यम से इन्हें किसी प्रकार का आर्थिक सहयोग किया जा रहा है भाजपा नहीं चाहती कि गरीबों के बच्चे अंग्रेजी मध्य विद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षा हासिल करें यही कारण है कि इन स्कूलों को धीरे-धीरे बंद करने का एक षड्यंत्र किया जा रहा है साथ ही साथ यहां के कर्मचारी एवं शिक्षकों को स्कूल त्यागने के लिए विवश किया जा रहा है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने स्वामी आत्मानंद स्मृति संविदा शिक्षक संघ द्वारा किए जा रहे दो सूत्रीय मांगों का समर्थन किया है जिसमें उन्होंने नियमित वेतन एवं भत्तो के भुगतान की बात कही है साथ ही साथ जब शिक्षा विभाग में इन स्कूलों का सिविलियन कर लिया गया है तो शिक्षकों का भी संविलियन किया जाना चाहिए।

जानलेवा धमकी के दो गंभीर मामले में की गई लिखित शिकायत

भटगांव में दबंगई का तांडव : आनंद जायसवाल पर मारपीट, गाली-गलौज के आरोप

सूरजपुर/भटगांव/मूक पत्रिका

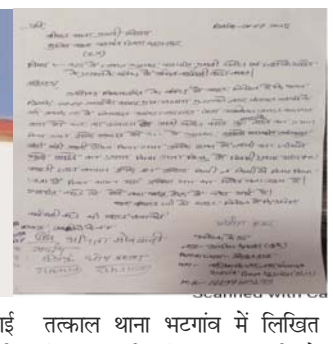

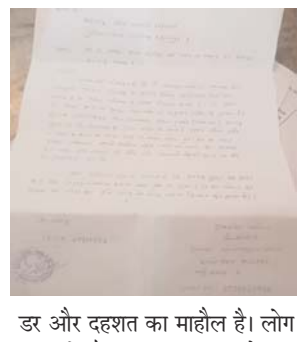

भटगांव क्षेत्र के ईटा भट्ठा निवासी आनंद जायसवाल का आतंक दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ ही दिनों में उसके खिलाफ दो अलग-अलग मामलों में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों मामलों की शिकायत थाने में लिखित शिकायत के बाद भी पुलिस अब तक खामोश है।

पहला मामला: मंदिर के पुजारी को धमकी-दिनांक 1 जुलाई 2025 को हनुमान मंदिर और राम मंदिर के पुजारी अवधेश पाण्डेय ने थाना भटगांव में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि जब वे अपने घर के बाहर साफ-सफाई कर रहे थे, तभी आनंद जायसवाल ने बिना किसी उकसावे के गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। घटना के वक्त पुजारी की पत्नी भी मौजूद थीं। अवधेश पाण्डेय ने इस घटना से खुद को और अपने परिवार को खतरा बताया था। लेकिन 20 दिन बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दूसरा मामला: दरवाज़ा तोड़कर मारपीट-वहीं, 20 जुलाई 2025 को वार्ड क्रमांक 8 निवासी आतिश कुमार के घर आनंद जायसवाल पहुंचा और गंदी-गंदी गालियां देते हुए दरवाज़ा तोड़ने का प्रयास किया। आरोपी ने घर के भीतर घुसकर आतिश कुमार के साथ मारपीट की और हाथ में टांगी लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस हमले में पीड़ित के आंख और होंठ में गंभीर चोटें आईं। पीड़ित ने तत्काल थाना भटगांव में लिखित शिकायत दी, शिकायत कॉपी में वार्डवासी और वार्ड पार्षद अनीता सोनवानी के द्वारा भी तत्काल गिरफ्तारी को लेकर हस्ताक्षर किए गए हैं।

पुलिस की चुप्पी बनी सवाल-दो-दो नामजद शिकायतों, प्रत्यक्षदर्शियों और शारीरिक चोटों के बावजूद पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठने लगे हैं। इलाके में डर और दहशत का माहौल है। लोग कह रहे हैं कि आम नागरिकों की सुरक्षा भगवान भरोसे छोड़ दी गई है, और दबंगों को खुली छूट मिल चुकी है।

शिकायत कर्ताओं के सवाल-क्या पुलिस प्रशासन किसी बड़ी वारदात का इंतजार कर रहा है?, क्या आम नागरिक की शिकायतों का कोई मूल्य नहीं?, क्या मंदिर के पुजारी और निर्दोष युवकों की जान की कीमत कुछ नहीं?

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।